जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 36 प्रभात कोटा, मंगलवार 19 नवम्बर, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार खत्म, 20 नवम्बर को मतदान

सभी पार्टियों के बड़े नेता आखिरी दिन महाराष्ट्र में नज़र आए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। सोमवार को महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों के लिये सभी 6 बड़ी पार्टियों के नेताओं ने अंतिम चुनाव रैलियाँ कीं। इन्होंने अपने पार्टी प्रत्याशियों तथा अपने लिये धुआँधार प्रचार की अंतिम कोशिशें कर लीं, ताकि मतदाताओं का झुकाव किसी तरह से उनकी पार्टियों और प्रत्याशियों की तरफ हो जाये।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के मैदान की बड़ी पार्टियाँ सत्तारुढ़ महायुति गठबंधन की भाजपा तथा एन.सी.पी. तथा विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी की शिव सेना (यू.बी.टी.) तथा एन.सी.पी. (एस.पी.) का विधानसभा चुनाव के नतीजों में सब कुछ दांव पर लगा हुआ है। इन चुनावों के नतीजे ही उस दिशा को तय करेंगे, जिधर देश की राजनीति अगले महीनों और सालों में जा रही होगी।

एक तरफ सत्तारुढ़ गठबंधन है, जिनके पास न तो संसाधनों की कोई कमी है, और न सत्ता में बने रहने के लिये सभी साधनों को झौंक देने में कोई हिचक या संकोच ही है। दूसरी तरफ, विपक्षी गठबंधन है, जिसके हाथ पीछे बँधे हुए हैं, क्योंकि उसके पास संसाधनों का अभाव है तथा वह केवल अपनी प्रतिष्ठा तथा पुरानी उपलब्धियों पर निर्भर हैं। संक्षेप में, यह लड़ाई विशुद्ध रुप से

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने वसई में जनसभा की, प्रियंका गांधी ने नागपुर में रोड शो किया और राहुल गांधी ने मुम्बई में प्रैस कॉन्फ्रैंस की।
- एन.सी.पी. के अजित पवार ने 5 जनसभाएं कीं और उनके चाचा शरद पवार ने चार जनसभाओं को सम्बोधित किया।
- मौजूदा चुनाव चाचा और भतीजे के अस्तित्व की लड़ाई भी बन गया है। अजित पवार बारामती से प्रत्याशी हैं, वे यहां से 7 बार चुनाव जीते हैं, पर तब चाचा शरद पवार उनके साथ थे। शरद पवार ने खुद बारामती से मोर्चा संभाल रखा है।

दिए और तूफान की लड़ाई है।

सत्तारुढ़ गठबंधन में, भाजपा सर्वाधिक 143 सीटों पर लड़ रही हैं। पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा के कम से कम 19 उम्मीदवार एन.सी.पी. तथा सेना के टिकटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। अजित पवार के नेतृत्व वाली एन.सी.पी. 59 सीटों पर तथा मुख्यमंत्री एकनाथ शिन्दे के नेतृत्व वाली शिव सेना 81 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

महा विकास अघाड़ी में, कांग्रेस सर्वाधिक 102 सीटों पर, शिव सेना (यू.बी.टी.) 96 सीटों पर तथा शरद पवार की एन.सी.पी. 86 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

बुधवार को होने वाले मतदान के लिये प्रचार के अंतिम दिन, सोमवार को शीर्षस्थ नेताओं ने अपने-अपने गढ़ संभाले। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बसाई में एक जनसभा को सम्बोधित किया, जबकि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने नागपुर में रोड शो किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मुम्बई में एक प्रैस कॉन्फ्रैंस को सम्बोधित किया, जिसमें उन्होंने कहा कि भाजपा बांटने वाली भाषा को काम में ले रही है ताकि लोगों का ध्यान बेरोजगारी एवं महंगाई से हट जाये।

गांधी ने कहा, "इस चुनाव का असली मुद्दा रोजगार से सम्बंधित है। महाराष्ट्र में बेरोजगारी बढ़ रही है क्योंकि 7 लाख करोड़ रु. के 8 प्रोजेक्ट महाराष्ट्र से बाहर जा रहे हैं तथा पांच लाख नौकरियाँ खत्म हो रही हैं। मुम्बई के लोगों की धारावी की जमीन, जिसकी कीमत 1 लाख करोड़ रु. है, एक व्यक्ति को दी जा रही है। कृषि उत्पादों की कीमतें गिर रही हैं। एक मुद्दा महंगाई है। भाजपा इस मुद्दे पर कुछ नहीं कर सकती। "धर्म युद्ध" जैसे शब्दों का प्रयोग करके लोगों का ध्यान हटाने की कोशिशें की जायेंगी। उनके पास ऐसा करने के अलावा, अन्य कोई विकल्प बचा ही नहीं हैं।"

शिन्दे ने ठाणे तथा उसके आस-पास चार सभाएं सम्बोधित कीं। उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने आज पाँच रैलियाँ सम्बोधित कीं, जिनमें बारामती की रैली भी शामिल है। शरद पवार ने चार जन सभाएं कीं। उनकी एक सभा बारामती में भी हुई। उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस आज नागपुर दक्षिण- पश्चिम विधान सभा क्षेत्र में रैलियों को सम्बोधित करेंगे।

शिन्दे ठाणे की कोपरी पचपखाड़ी सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। यहाँ उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यू.बी.टी.) ने केदार दिघे को मैदान में उतारा है, जो शिव सेना नेता स्व. आनन्द दिघे के भतीजे हैं। आनंद दिघे एकनाथ शिंदे के राजनैतिक गुरु थे। सेना प्रवक्ता मनीष कयान्डे ने कहा "एकनाथ शिन्दे इसी सीट से तीन बार चुनाव लड़ चुके हैं। यह उनका चौथा विधानसभा चुनाव होगा।"

नागपुर दक्षिण-पश्चिम सीट पर

(शेष पृष्ठ 3 पर)

कैलाश गहलोत ने भाजपा जॉइन की

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। जैसी उम्मीद थी। आम आदमी पार्टी के पूर्व

- रविवार को आम आदमी पार्टी छोड़ने वाले दिल्ली के पूर्व मंत्री कैलाश गहलोत ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली और कहा, उन्होंने अपनी मर्जी से भाजपा जॉइन की है।

नेता और दिल्ली सरकार के यातायात

(शेष पृष्ठ 3 पर)

देश को मिला 56 वां टाईगर रिज़र्व

- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। देश का 56वां टाइगर रिज़र्व छत्तीसगढ में

- छत्तीसगढ़ में अधिसूचित यह टाइगर रिज़र्व 2829 वर्ग किलोमीटर में फैला है, तथा देश का तीसरा सबसे बड़ा टाइगर रिज़र्व है।

अधिसूचित हुआ है। यह देश का तीसरा सबसे बड़ा रिज़र्व है, जो 2800 वर्ग

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दिल्ली डूबी प्रदूषण में और भाजपा आप में छिड़ा पोस्टर वॉर

दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर पाँच सौ पॉइन्ट तक पहुंच गया

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। राजधानी दिल्ली में बढ़ते वायू प्रदूषण से निपटने के लिए एकजुट होने की बजाय राजनैतिक दल एक दूसरे से लड़ रहे हैं।

दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडैक्स (ए. क्यू. आई.) सोमवार को 493 पर पहुंच गया। वहीं नेहरू नगर, द्वारका, नजफगढ़ और मुंडका में ए. क्यू. आई. 500 तक पहुंच गया। दिल्ली की प्रदूषित हवा के कारण आप और भाजपा में पोस्टर वॉर छिड़ गया है। दिल्ली की भाजपा इकाई ने "एक्स" पर एक पोस्ट पोस्ट किया जिसमें अरविन्द केजरीवाल को मॉस्क पहने हुए दिखाया गया है जिसका कैप्शन है, केजरीवाल को लंदन में "ब्रीटिंग इमरजैंसी" का सामना कर रहा है। इस पर आप ने जवाबी हमला किया जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मॉस्क पहने हुए दिखाया गया है और पोस्टर पर कैप्शन है "मोदी का ज़हरीला शासन उत्तर भारत पर।"

एक अन्य पोस्टर में आप ने प्रधानमंत्री को विदेश यात्रा के लिए जहाज में बैठते हुए दिखाया गया है जिसमें कैप्शन है "भारत पालुशन मोड़ पर और मोदी फ्लाइट मोड पर।"

- पोस्टर वॉर की शुरूआत दिल्ली भाजपा इकाई ने की, और केजरीवाल का मास्क पहने हुए एक पोस्टर शेयर किया जिसमें लिखा था, केजरीवाल का लंदन "ब्रीदिंग एमरजैंसी" का सामना कर रहा है।
- जवाब में आप पार्टी ने भी कुछ पोस्टर जारी किए जिनमें प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाया गया था।
- अमेरिका के बर्कली अर्थ की रिसर्च के अनुसार दिल्ली की हवा में श्वास लेना एक दिन में 40 सिगरेट पीने के बराबर है।

प्रधानमंत्री की 5 दिवसीय विदेश यात्रा पर आप ने एक और पोस्टर जारी किया जिसका कैप्शन है, "असफलताओं से मुंह छिपाकर प्रधानमंत्री मोदी फ्लाइट मोड पर विदेश रवाना।" इससे पहले दिन में एक वीडियो जारी हुआ जिसमें दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा और पार्टी सांसद प्रवीण खंडेलवाल केन्द्रीय सचिवालय में दो स्टेशन से बाहर आ रहे यात्रियों को मॉस्क बांटते दिखे।

अमेरिका के बर्कली अर्थ द्वारा करवाई गई रिसर्च के अनुसार दिल्ली की हवा के प्रदूषण का स्तर एक व्यक्ति द्वारा दिन में 40 सिगरेट पीने के बराबर है। ए. क्यू. आई. लैवल कई क्षेत्रों में अति गंभीर श्रेणी में है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा है कि ग्रेडेड रैस्पॉन्स एक्शन प्लान (जी. आर. ए. पी. - चतुर्थ)। जिसमें दिल्ली एन. सी. आर. में साथ ही बी. एस. तृतीय पैट्रोल एवं बी. एस. चतुर्थ डीज़ल की एंट्री पर रोक लगाने जैसे उपाय शामिल है। सर्वोच्च न्यायालय ने कमीशन ऑन एयर क्वालिटी मैनेजमेंटरी आलोचना की, जो कि हवा की गुणवत्ता सुधारने के कोई उपाय नहीं कर पाया। इसी के साथ दिल्ली के स्कूल ऑनलाइन क्लास ले रहे हैं सिर्फ कक्षा दस व ग्यारह स्कूल जा रहे हैं सरकारी व निजी कार्यालय 50 प्रतिशत क्षमता पर काम कर रहे हैं। बाकी स्टॉफ घर से काम कर रहा है। निर्माण या खुदाई की हरेक गतिविधि पर रोक लगा दी गई है।

RISING™ RAJASTHAN
9-10-11 DEC 2024 • JAIPUR
REPLETE • RESPONSIBLE • READY

सत्यमेव जयते
Government of Rajasthan

SH. BHAJAN LAL SHARMA
Hon'ble Chief Minister, Rajasthan

SH. NARENDRA MODI
Hon'ble Prime Minister

TRENDS, INNOVATIONS, IDEAS, OPPORTUNITIES...

A key highlight of Rising Rajasthan Global Investment Summit will be the Thematic Sessions, bringing together visionary thinkers, policymakers, subject experts and practitioners driving change across sectors.

Be witness to insightful, thought provoking dialogue on emerging trends & challenges, transformative innovations and new opportunities. Connect with key stakeholders, and discover pathways to growth in the ever-evolving global business landscape.

Secure your spot at the Summit today.

SCAN TO REGISTER
rising.rajasthan.gov.in

9 DEC
01 HerStory: Advancing Inclusive Societies
02 Transforming Manufacturing with Industry 4.0
03 Regional Water Security: Technology and Governance
04 Transition towards a Sustainable Energy Economy
05 Embracing Diversity: Promoting Inclusive Tourism
06 Sustainable Mining: Safeguarding the future

10 DEC
07 Digital Transformation: Shaping the Future of Startups
08 EduRevolution: Bridging Education and Opportunities
09 Sustainable Finance: Public and Private Investment
10 Agri-Business Innovations: Moving up the Value Chain
11 FutureCare: Transforming Healthcare Through Innovation
12 Infrastructure: An important link in the Supply Chain

9 DEC Inauguration & Opportunity Showcase
10 DEC Pravasi Rajasthani Conclave
11 DEC MSME Conclave
All Days Rajasthan Global Business Expo

Department of Industries & Commerce, Government of Rajasthan

Summit Industry Partner: CII Confederation of Indian Industry
Nodal Offices: Bureau of Investment Promotion Rajasthan; RIICO GROW WITH RAJASTHAN; Rajasthan Foundation

Rajasthan Samwad

विचार बिन्दु

जिसमे दया नहीं उसमे कोई सद्‌गुण नहीं। –हज़रत मोहम्मद

जनता के साथ यह कैसा सलूक?

इस आलेख में हम पहले दो उदाहरण देना चाहेंगे, जो यह स्पष्ट करते हैं कि जनता के साथ किस प्रकार का व्यवहार सरकार द्वारा किया जाता है।

पहला उदाहरण गुजरात का है। मेहसाणा जिले के बोरिसाना गांव के ग्रामीणों के लिए एक स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। इस जांच शिविर में लगभग 100 व्यक्तियों की जांच की गई। इनमें से लगभग 19 को अग्रिम जांच के लिए बस द्वारा अहमदाबाद के वजीरानी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां इन सभी की एंजियोग्राफी कर दी गई। इनमें से सात की तो एंजियोप्लास्टी भी कर दी गई अर्थात इन सात व्यक्तियों के स्टेंट लगा दिए। इसके लिए किसी प्रकार की सहमति संबंधित परिवार के सदस्यों से नहीं ली गई, जो कि अत्यावश्यक थी। इनमें से दो व्यक्तियों की उसी दिन शाम को मृत्यु हो गई और शेष अभी अस्पताल के आईसीयू में जीवन और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। यह भी पता चला है कि जिन व्यक्तियों की एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी की गई, वे बिल्कुल स्वस्थ थे और उन्हें इसकी कोई आवश्यकता ही नहीं थी। एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी केवल इसलिए कर दी गई कि इन व्यक्तियों के पास आयुष्मान कार्ड था। इस कारण इस एंजियोप्लास्टी के नाम पर अस्पताल को सरकार से बड़ी रकम मिली। जिन लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई और एंजियोग्राफी की गई उनसे किसी प्रकार की राशि वसूल नहीं की। प्रथमदृष्टया तो ऐसा लगता है कि आयुष्मान योजना का बड़ा लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है। धरातल की वास्तविकता यह है कि ऐसी अनेक योजनाएं निजी चिकित्सालयों, बीमा कंपनियों और सरकारी अधिकारियों के बीच भ्रष्टाचार का माध्यम बनकर रह गई हैं।

इसका परिणाम सामान्य नागरिकों को भुगतना पड रहा है। गुजरात के मेहसाणा जिले के जिन लोगों की मृत्यु हुई, वह केवल निजी चिकित्सालय के स्वार्थ के कारण, अनावश्यक एंजियोप्लास्टी और उसके बाद उचित देखभाल नहीं होने के कारण हुई। भले ही, इन लोगों से पैसा नहीं लिया गया हो किंतु उनके शरीर के साथ खिलवाड़ तो किया ही गया और ये उपयुक्त सावधानी के अभाव में काल कवलित हो गए। यह उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में भी इसी अस्पताल में एक व्यक्ति की स्टेंट डालने के पश्चात मृत्यु हो गई थी। यदि उस समय इसके विरुद्ध कार्रवाई कर दी जाती तो बोरिसाना गांव के भोले भाले ग्रामीण अपने शरीर के साथ होने वाले अत्याचार से बच सकते थे।

अल्प शिक्षित निर्धन लोगों के इलाज के नाम पर निजी कॉर्पोरेट अस्पतालों द्वारा सरकार से बड़ी रकम उठाई जा रही है। अनावश्यक जांच और इलाज के कारण नागरिक या तो मौत का शिकार हो रहे हैं या अस्पताल जनित नई बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं।

ग्रामीणों से पैसे न लेने की बात करके उन्हें धोखे में रखकर ही उनका जो भी इलाज किया जाता है, वह विभिन्न प्रकार की बीमारियां ग्रामीणों को दे रहा है। उपरोक्त उल्लेखित प्रकरण में तो दो गरीब परिवारों के व्यक्तियों की जान ही चली गई। जो व्यक्ति एक दिन पहले तक पूरी तरह स्वस्थ थे और उनमें से एक, 10 किलोमीटर प्रति दिन साइकिल चलाते थे और दूसरे भजन मंडली में भजन कीर्तन करते थे और जिन्हें किसी प्रकार की समस्या नहीं थी, वे वहीं निजी चिकित्सालय के स्वार्थ और लालच के कारण अपनी जान से हाथ धो बैठे। इनमें एक पर तो पूरा परिवार आश्रित था। अब उसे किन परिस्थितियों से जूझना पड़ेगा, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। पैसा भले ही सरकार का हो, लेकिन शरीर तो स्वयं नागरिकों का है और उसके साथ छेड़छाड़ करने से उन्हें अत्यंत कष्ट एवं नुकसान भुगतना पड़ा है। गुजरात का उदाहरण केवल अकेला नहीं है। ऐसे अनेक उदाहरण हर शहर में हैं, जहां नागरिकों को भ्रमित करके उनका अनावश्यक इलाज अपने अस्पतालों में करते हैं और सरकार से बड़ी रकम रसूल कर लेते हैं।

नागरिकों को अच्छी शिक्षा प्रदान करना एवं उनको स्वास्थ्य की सुविधा उपलब्ध कराना किसी भी जनकल्याणकारी सरकार का प्राथमिक दायित्व होता है।

सरकार ने अपनी स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करने के स्थान पर, बीमा कंपनियों के माध्यम से आसान तरीका ढूंढ लिया है। नागरिकों को बीमा कंपनियों और निजी चिकित्सालयों के हवाले कर दिया है। गत कुछ वर्षों का अनुभव तो यही बताता है कि विभिन्न प्रकार की बीमा आधारित योजनाएं, वास्तविक जरूरतमंद व्यक्तियों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में सफल नहीं हो पाई हैं। एक और जहां सरकार का करोड़ों रुपया बीमा कंपनियों के माध्यम से व्यय हो रहा है, वहीं निजी चिकित्सालय फल-फूल रहे हैं। आवश्यकता इस बात की थी कि सरकार स्वास्थ्य के बजट में पर्याप्त वृद्धि करके, उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला चिकित्सालय एवं सरकारी मेडिकल कॉलेज में अच्छी गुणवत्ता की स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ कराती। यह निरंतर पढ़ने में आता है कि सरकारी चिकित्सालय में किस प्रकार जांच की मशीनें जैसे सोनोग्राफी एक्स रे मशीन, सी टी स्कैन मशीन, आदि बिना स्टाफ के बेकार पड़ी हैं या वे खराब पड़ी हैं। कभी-कभी तो लगता है कि यह सब केवल इसलिए है कि लोगों को निजी जांच एजेंसियों और निजी चिकित्सालय में जाने हेतु बाध्य किया जाए।

अहमदाबाद के वजीरानी हॉस्पिटल में एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी केवल इसलिए कर दी गई कि इन व्यक्तियों के पास आयुष्मान कार्ड था। इस कारण इस एंजियोप्लास्टी के नाम पर अस्पताल को सरकार से बड़ी रकम मिली। जिन लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई और एंजियोग्राफी की गई उनसे किसी प्रकार की राशि वसूल नहीं की। प्रथमदृष्टया तो ऐसा लगता है कि आयुष्मान योजना का बड़ा लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है। धरातल की वास्तविकता यह है कि ऐसी अनेक योजनाएं निजी चिकित्सालयों, बीमा कंपनियों और सरकारी अधिकारियों के बीच भ्रष्टाचार का माध्यम बनकर रह गई हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं को निजी चिकित्सालयों के हवाले करने में, केंद्र सरकार और राज्य सरकार, बराबर की जिम्मेदार हैं।

होना तो यह चाहिए था कि आयुष्मान योजना के माध्यम से इतनी बड़ी धनराशि बीमा कंपनियों और निजी चिकित्सालयों को देने के बजाय, सरकार अपनी चिकित्सा व्यवस्था को बेहतर बनाने में उसे खर्च करती। यह सुनिश्चित करना होगा कि पर्याप्त संख्या में न केवल चालू हालत में उपकरण हों बल्कि उन्हें संचालित करने वाला स्टाफ भी हर स्तर पर उपलब्ध हो।

एक बड़ा नुकसान इस प्रकार की योजनाओं के कारण यह हुआ है कि नागरिक इस भ्रम में है कि उसका सारा इलाज मुफ्त में किया जाएगा, वह किसी भी एंपेनल्ड निजी अस्पताल में चला जाता है। भर्ती होने के बाद, उसे पता चलता है कि उसके लिए आवश्यक इलाज में से कुछ ही ऐसा है जिसका पैसा सरकार द्वारा अस्पताल को देय है। इस कारण मजबूरी में, भर्ती मरीज को बहुत बड़ी धनराशि अब भी निजी अस्पतालों को जेब से देनी पड रही है। जिस चिकित्सक को गांव के लोग भगवान के रूप में मानते थे, वे ही अब कई जगहों पर अपने निहित स्वार्थ के कारण उनके स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। किसी निजी चिकित्सालय में जाने पर चिकित्सक पहला प्रश्न ही यह करता है कि क्या वह आयुष्मान योजना अथवा अन्य किसी प्रकार की बीमा योजना में पंजीकृत है?

सरकार ने स्वास्थ्य बीमा योजना के माध्यम से कॉर्पोरेट चिकित्सालय/ निजी चिकित्सालय/बीमा कंपनियों और चिकित्सकों का ऐसा गठजोड बना लिया है जिसमें सबसे अधिक नुकसान तो नागरिक को हो रहा है। सरकार को भी अनावश्यक बहुत बड़ी राशि का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

स्वास्थ्य का अधिकार कानून भी सरकार ने बनाया किंतु उसके नियम अभी तक नहीं बनाए। इसी प्रकार, क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट भी सरकार ने निजी चिकित्सालय पर अंकुश लगाने के लिए बनाया, किंतु वह भी अभी तक नियमों के अभाव में लागू नहीं हो पाया है। सरकार की शायद मंशा ही नहीं है कि लोगों को उपयुक्त इलाज सरकारी खर्चे पर मिले।

सरकार को यह समझना होगा कि वह लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी से अपना पल्ला नहीं झाड़ सकती। जो व्यक्ति अमीर हैं या जो व्यक्ति थोड़े तिकडम बाज हैं, वे तो, जैसे-तैसे इन योजनाओं का लाभ ले पा रहे हैं, लेकिन वास्तविक रूप से जो जरूरतमंद लोग हैं वह इस योजना के लाभ से वंचित ही हैं। इस बारे में जन जागरण का भी काम कोई स्वैच्छिक संस्थाएं बड़े स्तर पर कर रही हों, इसकी कोई जानकारी नहीं है।

सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं पर कितना ध्यान दिया जा रहा है इसका एक उदाहरण हाल ही में झांसी के मेडिकल कॉलेज के नवजात शिशुओं के वार्ड में आग लगने से दस नवजात शिशुओं के जलकर मर जाने की घटना के रूप में सामने आया है। जिस परिवार में शिशु का जन्म होने पर खुशियां मनाई जा रही थीं, वे खुशियां, सरकारी लापरवाही के कारण मातम में बदल गईं। मीडिया पर प्रसारित माता-पिता के बिलख बिलख कर चीत्कार की आवाज़ें सुनकर दिल दहल जाता है। किस प्रकार से अपने बच्चों को खोने पर माएं अवसाद ग्रस्त हो रही हैं, इसका कोई अंदाजा शायद सरकार को नहीं है। यह उल्लेखनीय है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगना बताया जा रहा है किंतु उसे बुझाने के लिए जो अग्निशमन यंत्र काम आ सकते थे, वे भी समय पर नहीं चल पाए, क्योंकि वे लगभग चार वर्ष से खराब पड़े हुए थे। आश्चर्य की बात यह है कि अग्निशमन विभाग द्वारा उन्हें इसी वर्ष प्रमाणित भी कर दिया गया था।

नवजात शिशुओं का इस प्रकार से मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में जलकर मर जाना, हमारी सरकारी चिकित्सा व्यवस्था के लिए शर्मनाक ही कहा जा सकता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री जो महाराष्ट्र और झारखंड की चुनावी सभा में विभिन्न प्रकार के नारे देकर चुनाव जीतने का प्रयास कर रहे हैं, यदि अपने अस्पतालों की व्यवस्था को सुधारने पर थोड़ा भी ध्यान दे देते तो वह स्थिति नहीं होती, जैसी झांसी के मेडिकल कॉलेज में हुई है।

सरकार ने मुआवजे की घोषणा की है। यह समझ में नहीं आता कि नवजात शिशुओं के मरने पर मुआवजा क्यों दिया जाना चाहिए? कितनी भी राशि दे दी जाए, मरने वाले शिशुओं को लौटाया नहीं जा सकता। यदि किसी परिवार का कोई कमाने वाला व्यक्ति मर जाए तो उसके लिए मुआवजा देने की बात तो समझ में आती है, ताकि परिवार का खर्चा चल सके, किंतु छोटे बच्चों के मर जाने पर परिवार को मुआवजा देकर केवल उन्हें शांत करने का ही प्रयास माना जाएगा। सरकारों के लिए आसान तरीका हो गया है कि किसी के मर जाने पर कुछ राशि उस परिवार को देखकर उनका मुंह बंद कर दिया जाए। अधिक आवश्यकता इस बात की है कि इस प्रकार की खराब स्थिति के लिए दोषी व्यक्तियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और सरकार भी अपने गलती स्वीकार करे और सुधारात्मक कदम उठाए। लगता तो यह है कि सरकार को जनता से कोई मतलब नहीं है। उसे जनता याद ही तब आती है जब चुनाव हो।

राजनीतिक दलों का, सत्ता में आने के बाद, जनता के साथ इस प्रकार का सलूक, एक जनकल्याणकारी, लोकतांत्रिक राज्य में स्वीकार नहीं हो सकता। यदि लोग इसी प्रकार की स्थिति को स्वीकार कर लेंगे तो फिर इसमें बदलाव की भी कोई संभावना नहीं रहेगी।

स्वतंत्रता के अमृत काल में हम जनता के साथ सरकार द्वारा एक सम्मानजनक सलूक की अपेक्षा तो रख ही सकते हैं।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

युवा प्रशासकों के लिए सलाह और सुझाव

राजेश्वर सिंह

प्रशासनिक सेवा काल के प्रारंभ में युवा प्रशासकों का पदस्थापन सामान्यत: उपखंड अधिकारी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, आयुक्त, नगर निगम तथा जिला कलेक्टर के रूप में होता है। अत्यंत कठिन प्रतियोगी परीक्षा में अपनी प्रतिभा एवं क्षमता साबित कर चुके एवं लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के कठोर प्रशिक्षण से गुजर चुके इन युवा अधिकारियों से आम जन की असीमित अपेक्षाएं होती हैं। यदि यह अपेक्षाऐं पूरी ना हो तो बहुत जल्दी निराशा और मोह भंग का भाव भी प्रबल हो जाता है और फलत: उक्त अधिकारी की योग्यता एवं कार्यक्षमता पर एक स्थाई प्रश्न चिन्ह अंकित हो जाता है जो अंतत: उसके संपूर्ण करियर के लिए घातक सिद्ध होता है।

कहते हैं कि प्रतिभा की कमी अनुभव से पूरी हो जाती है किंतु अनुभव की कमी प्रतिभा से पूरी नहीं होती। अपने प्रशासनिक जीवन के अनुभव के आधार पर युवा प्रशासकों के विचारार्थ कुछ सलाह एवं सुझाव अधोलिखित पंक्तियों में प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

युवा प्रशासकों को सर्वप्रथम राजस्व प्रशासन ,भू अभिलेख संधारण, कार्यपालक मजिस्ट्रेट के दायित्व तथा शहरी एवं ग्रामीण विकास प्रशासन से संबंधित सभी विधिक एवं व्यावहारिक पहलुओं का समुचित ज्ञान अर्जित कर लेना चाहिए। इसके लिए उन्हें संबंधित विधि, नियम एवं राजकीय परिपत्रों के महत्वपूर्ण प्रावधानों का विधिवत अध्ययन करना चाहिए तथा किसी भी प्रकार की शंका एवं संशय की स्थिति में अपने पीयर ग्रुप तथा वरिष्ठ अधिकारियों से अनिवार्यत: विचार-विमर्श करना चाहिए। युवजनोचित उत्साह में कई बार प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन होता है, जो विधि के स्थापित सिद्धांतों के अनुकूल नहीं है अत: किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कोई भी कार्रवाई करने से पूर्व उसे अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु नोटिस जारी किया जाना तथा इस हेतु उसे औचित्यपूर्ण समयावधि प्रदान किया जाना आवश्यक है। इसी प्रकार कार्मिक के निलंबन से पूर्व प्राथमिक जांच की जानी चाहिए तथा निलंबन आदेश सक्षम प्राधिकारी के द्वारा ही जारी किया जाना चाहिए अन्यथा न्यायिक हस्तक्षेप की संभावना रहती है और अंतत: मूल उद्देश्य ही विफल हो जाता है।

प्रत्येक फील्ड ऑफिसर को कार्यभार ग्रहण करते ही अपने क्षेत्र का व्यापक व गहन दौरा करना चाहिए। उसे अपने क्षेत्र के गांवों, शहरों, उनकी अवस्थिति, संपर्क मार्ग, जनसंख्या की सांप्रदायिक एवं सामुदायिक संरचना, अंतर्निहित तनाव के इतिहास, धार्मिक स्थलों, प्राकृतिक संपदा, ऐतिहासिक सांस्कृतिक धरोहर, गोचर, ओरण भूमियों, शिक्षा, चिकित्सा, पशुपालन, कृषि उद्योग तथा सेवा क्षेत्र के इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थिति, बिजली, पानी व सड़क से संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर तथा समस्याओं का समुचित ज्ञान अर्जित करना चाहिए ताकि समस्या को सुलझाने के लिए दीर्घकालिक कार्य योजना बनाई जा सके और किसी समस्या को लेकर यदि कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होती है तो उसका सक्षम एवं प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सके। इसके लिए आवश्यक है कि फील्ड ऑफिसर फील्ड में कार्यरत कर्मचारी, जनप्रतिनिधियों, पंचायती राज संस्थाओं के पदाधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, दानदाताओं, पत्रकारों तथा लाइन डिपार्टमेंट के अधिकारियों के निरंतर संपर्क में रहें। उनसे प्राप्त किसी भी तरह के फीडबैक को गंभीरता से लें तथा उस पर तत्परतापूर्वक कार्रवाई करें।

फील्ड ऑफिसर को फील्ड कर्मचारियों के साथ महीने में एक बार समीक्षा बैठक अवश्य करनी चाहिए। इसी प्रकार खुद के ऑफिस के कर्मचारियों के साथ भी सप्ताह में एक बार समीक्षा बैठक करनी चाहिए। ज़िला कलेक्टर को ऐसी मासिक व साप्ताहिक बैठकें क्रमश: क्षेत्रीय अधिकारियों एवं कलेक्ट्रेट के शाखा प्रभारी अधिकारियों के साथ करनी चाहिए। सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते उपयोग के कारण जन अभाव अभियोग निराकरण की प्रणाली को कंप्यूटरीकृत करना बिल्कुल सहज और सरल हो गया है। प्रयास यह होना चाहिए कि प्रकरण जिस स्तर पर भी लंबित हो, वहां नियमित समय अंतराल पर स्मरण पत्र भेजे जावें व अंतिम निस्तारण की स्थिति में आवेदक को अनिवार्य रूप से सूचित किया जावे।

फील्ड ऑफिसर की प्रथम व उच्चतम प्राथमिकता वह कार्य होना चाहिए जिसके निष्पादन के लिए उसके कार्यालय का सृजन किया गया है। जिला कलेक्टर के रूप में न्यायालय प्रकरणों का निस्तारण, भू राजस्व संग्रहण,भूमि आवंटन, भूमि रूपांतरण, राजकीय गोचर भूमि पर अतिक्रमण हटाना तथा ठाामीण विकास की विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन प्राथमिकता होनी चाहिए।इस बुनियादी कार्यभार का बखूबी निर्वहन करने के उपरांत यदि जिला कलेक्टर द्वारा शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, बागवानी, स्वयं सहायता समूह, जल संरक्षण, पर्यटन विकास इत्यादि के क्षेत्र में नवाचार कर सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया जाता है तो वह स्वागत योग्य है। किसी भी विशिष्ट एवं उल्लेखनीय उपलब्धि का प्रचार प्रचार अवश्य होना चाहिए किंतु अत्यधिक प्रचारप्रियता की प्रवृत्ति किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है।

फील्ड ऑफिसर के लिए टीम बिल्डिंग, टीमवर्क, सहयोगी अधिकारियों के साथ सकारात्मक एवं सम्मानपूर्ण संबंध एवं सर्वोपरि जनप्रतिनिधियों के साथ पारस्परिक सम्मान पर आधारित सहयोगात्मक संबंध विकसित करना अत्यंत आवश्यक है ताकि कानून व्यवस्था की स्थिति नियंत्रित रह सके, नियमित प्रशासनिक कार्य समय पर संपादित हो सके एवं विकास का एजेंडा क्रियान्वित हो सके।

जनप्रतिनिधियों का मान सम्मान होना चाहिए, उन्हें सभी राजकीय समारोहों में सम्मानपूर्वक आमंत्रित किया जाना चाहिए, उनकी समस्त औचित्यपूर्ण मांगों पर तत्परता से कार्रवाई कर उन्हें सूचित करना चाहिए किंतु यदि कोई मांग विधि अथवा नियम के प्रतिकूल हो तो उन्हें विनम्रतापूर्वक एवं दृढ़तापूर्वक मना भी करना चाहिए। किसी मुद्दे अथवा मसले पर यदि मतभेद अथवा मनभेद की स्थिति भी हो तो उसे सार्वजनिक चर्चा का विषय बनाने से विरत रहना चाहिए। साथी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से व्यवहार करते समय भी यदि नियंत्रक के बजाय प्रेरक व समन्वयक के रूप में कार्य किया जाए तथा कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पूर्व यदि एक सेलेक्ट ठ्ठुप में विचार-विमर्श कर लिया जावे तो निर्णय के सफलतापूर्वक क्रियान्वित होने की संभावना अधिकतम हो जाती है। कुल मिलाकर प्रशासनिक क्षेत्र में सफलता के लिए बौद्धिक क्षमता के साथ व्यवहारकुशलता का समुचित सम्मिश्रण आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य भी है।

–राजेश्वर सिंह,
(आइएएस सेवानिवृत्त)

अल्जाइमर रोग : आवश्यकता जागरुकता की

डॉ. रामावतार शर्मा

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने त्वरित कालिक (एक्यूट) रोगों जैसे न्यूमोनिया, हैजा, मलेरिया, सर्जरी संबंधी रोग आदि के तो सटीक इलाज खोज लिए हैं परंतु दीर्घकालिक रोगों पर कोई बड़ी सफलताएं अभी भी नहीं पाई जा सकी है। अधिकतर दीर्घकालिक रोगों में कुछ कम या अधिक नियंत्रण किया जा सकता है पर रोग को समूल नष्ट करना संभव नहीं हो पाया है। जीवन एक हद तक बढ़ तो पाया है परंतु दवाओं के दुष्प्रभाव, जीवन की गुणवत्ता में कमी और जीवन भर का आर्थिक बोझ आदि कहते हैं कि हम इन रोगों को समझें और यह प्रयास करें कि ये रोग हमारे शरीर में विकसित ही न हों। इन दीर्घकालिक रोगों में से एक रोग है अल्जाइमर रोग जिससे विश्व में लाखों लोग पीड़ित है और शरीर में विकसित होने के बाद इसका कोई भी इलाज नहीं है। इस रोग के बारे में जागृति फैलाने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने नवंबर महीने को अल्जाइमर जागरूकता महीना घोषित किया है। हालांकि इस रोग पर व्यापक शोध हो रहे हैं पर अभी तक कोई वांछित सफलता नहीं मिली है।

शिक्षा के विश्वव्यापी प्रसार के बाद दुनिया में सन् 2000 और 2012 के बीच मनोभ्रंश (डिमेंशिया) के नए रोगियों की संख्या में अच्छी खासी गिरावट आई है। चूंकि लोग पढ़ते रहते हैं और दुनिया की घटनाएं उनके मस्तिष्क को उत्तेजित करती रहती है तो ऐसे में डिमेंशिया विकसित नहीं हो पाता है हालांकि पृथ्वी पर बुजुर्ग लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। मस्तिष्क के इन विकारों के कम होने का एक अन्य कारण हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, डायबिटीज और कोलेस्ट्रॉल मेटाबॉलिज्म का बेहतर नियंत्रण भी माना जा रहा है। इतना सब होने के बावजूद भी लाखों लोग इस रोग के कारण बहुत ही कष्टपूर्ण जीवन जीने को मजबूर हैं इसलिए इसकी रोकथाम के प्रयास और अधिक प्रभावपूर्ण तरीके से लागू होने चाहिए। रोग और उसकी रोकथाम के बारे में जन सामान्य में व्यापक जानकारी होनी चाहिए।

वैज्ञानिक अध्ययन इंगित करते हैं कि बीटा एमेलोइड और टाऊ नामक प्रोटीन की बनावट में गड़बड़ होने से उनके टुकड़े मस्तिष्क में कई जगह जमा हो जाते हैं जिसके फलस्वरूप उन भागों का कार्य बाधित हो जाता है और डिमेंशिया तथा अल्जाइमर जैसे असाध्य रोग उत्पन्न होने लगते हैं। चूंकि प्रोटीन आदि के टूटे-फूटे टुकड़ों को शरीर से बाहर करने में विटामिन डी का बड़ा महत्व होता है परंतु आधुनिक जीवनशैली में लोग धूप में न तो जाते हैं और ना ही कार्य करते हैं इसलिए भी मस्तिष्क संबंधी रोग अधिक पाए जाने लगे हैं। लोगों में अपने विटामिन डी तथा बी 12 के स्तर सामान्य रखने की जागरूकता होनी चाहिए। देखा गया है कि अत्यधिक कम शारीरिक वजन भी दुर्बलता के अलावा अल्जाइमर रोग होने की संभावनाओं को बढ़ाता है इसलिए हमारा वजन एक सीमा से ज्यादा कम नहीं होना चाहिए। यदि किसी व्यक्ति की सूंघने की शक्ति तेजी से कम होने लगे तो उसे तुरंत चौकन्ना हो जाना चाहिए क्योंकि यह अल्जाइमर का प्रथम लक्षण हो सकता है। ऐसा यदि 40 वर्ष के बाद होता है तो इस रोग की संभावनाएं और अधिक बढ़ जाती हैं। आंख के स्कैन द्वारा भी कई नेत्र रोग विशेषज्ञ अल्जाइमर रोग को प्रारंभिक अवस्था में पकड़ लेते हैं।

दीर्घकालिक बीमारियों के बारे में एक तथ्य सर्वविदित है कि बचाव तथा रोकथाम ही इनका पूर्ण उपचार है। ये रोग यदि एक बार शरीर में विकसित हो गए तो फिर इनसे शत प्रतिशत मुक्ति मिलना एक चमत्कार ही हो सकता है वरना तो जीवनपर्यंत इन्हें ढोना ही पड़ता है। यहां एक विशेष बात देखी गई है कि इन रोगों से बचाव संभव है और बचाव के तरीके सस्ते, आसान और आनंददायक हैं तथा सभी दीर्घकालिक रोगों के लिए एक समान ही होते हैं। संतुलित भोजन, आवश्यकता से करीब 25 प्रतिशत कम कैलोरी का सेवन, तनाव रहित जीवन, अत्यधिक महत्वाकांक्षाओं पर लगाम, साहित्य का अध्ययन, नियमित घूमना, सक्रिय जीवनशैली और स्वस्थ तथा फलता फूलता सामाजिक जीवन आपको अल्जाइमर रोग के अलावा हृदय रोग, कैंसर, उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, जोड़ों के रोग आदि दीर्घकालिक रोगों से बचाने के अलावा दीर्घायु भी बनाते हैं। एक योजनाबद्ध स्व:अनुशासन आपके जीवन में रंग भर सकता है वरना जीवन का आखिरी पड़ाव पराश्रित हो कर गुजारने की मजबूरी के साथ जीना पड़ सकता है।

निर्णय एवं चुनाव व्यक्तिगत है पर सलाह तो यही है कि चलिए, जब भी जहां भी मौका मिले चलिए तथा सप्ताह में तीन बार मांसपेशियों को मजबूत करने तथा शरीर के संतुलन को बनाए रखने के व्यायाम कीजिए। आनंदित जीवन का यही सर्वोत्तम मार्ग है।

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

कुचिपुड़ी नृत्यांगना हिमांशी की प्रस्तुतियों ने समां बांधा

भीलवाड़ा, (निसं)। स्पिक मैके (सोसायटी फॉर द प्रमोशन ऑफ इण्डियन क्लासिकल म्यूजिक एण्ड कल्चरल एमगंस्ट यूथ) एवं संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार एवं जवाहर फाउण्डेशन के सहयोग से विरासत-2024 के तहत सोमवार को विश्व प्रसिद्ध कुचिपुड़ी नृत्यागंना हिमांसी कतरगड़ा की प्रथम प्रस्तुति रा.उ.मा.वि. सुभाषनगर में हुई।

जानकारी देते हुए नेशनल एक्ज्यूकेटिव कैलाश पालिया ने बताया कि हिमांसी कतरगड़ा ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत शिव स्तुति से करते हुये शिव के शांत स्वरूप में चुर्तुविद्या के माध्यम से अभिनय, आंगिकम्, वाचिकम्, आहार्यम्, सात्वीकम् के माध्यम से शिव के स्वरूप की व्याख्या करते हुये छात्र-छात्राओं को मंच पर बुलाकर हस्त मुद्रा एवं कुचिपुड़ी का बेसिक ज्ञान कराया। उसके साथ ही श्रीराम स्तुति के माध्यम से मर्यादा पुरूषोतम श्रीराम के जीवन वृत के दर्शकों के सामने जीवन्त कर

विश्व प्रसिद्ध कुचिपुड़ी नृत्यागंना हिमांशी कतरगड़ा ने प्रस्तुति दी।

■ चुर्तुविद्या अभिनय, आंगिकम्, वाचिकम्, आहार्यम्, सात्वीकम् में शिव का स्वरूप साकार हुआ

दिया और अन्त में कुचिपुड़ी नृत्य में होने वाले थाली नृत्य "तरंगम" में दुर्गा स्तुति से समापन किया। अंत में दोनों विद्यालयों के संस्था प्रधान ने कलाकार को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम अनु प्रजापत के अनुसार मंगलवार को हिमांसी की प्रथम प्रस्तुति प्रात: 08.30 बजे न्यू विजन स्कूल एवं द्वितीय प्रस्तुति10.30 बजे रा.बा.उ.मा.वि. गांधीनगर भीलवाड़ा में होगी।

साक्षात्कार के लिए 581अभ्यर्थी अस्थाई रूप से सफल

अजमेर, (कासं)। राज. लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य-इंग्लिश विषय की परीक्षा के फलस्वरूप 581अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु पूर्णत: अस्थाई रूप से सफल घोषित किया है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त विषय के प्रश्न-पत्र प्रथम एवं द्वितीय की परीक्षा 21 मई तथा प्रश्न पत्र तृतीय की परीक्षा 7 जनवरी को आयोजित की गई थी। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। साक्षात्कार के लिए अस्थाई रूप से सफल घोषित किए गए अभ्यर्थियों को सूचित किया है कि वे विस्तृत आवेदन पत्र आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर उसे पूर्ण रूप से भरकर (2 प्रतियों में) तथा समस्त शैक्षणिक/प्रशैक्षणिक, जाति एवं अन्य वांछित प्रमाण-पत्रों (मूल एवं फोटो प्रति) सहित साक्षात्कार के समय उपस्थित हों।

राशिफल मंगलवार 19 नवम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, आर्द्रा नक्षत्र दिन 2:56 तक, साध्य योग दिन 2:56 तक, बालव करण सायं 5:29 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-धनु, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से दिन 2:56 तक है। कुमार योग दिन 2:59 से आरम्भ होगा। आज इन्दिरा गाँधी जयन्ती है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:33 से 10:52 तक, लाभ-अमृत 10:52 से 1:32 तक, शुभ 2:51 से 4:11 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:54, सूर्यास्त 5:31

मेष

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आज मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

कर्क

स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

तुला

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

धनु

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर

स्वास्थ्य से संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कुंभ

परिजनों के व्यवहार से मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मीन

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आज खेल व युवा विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस समीक्षा में खेल एवं युवा मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, मुख्य सचिव सुधांश पंत, शिखर अग्रवाल, आलोक गुप्ता आदि वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने खेल एवं युवा मामले विभाग की समीक्षा की

राजस्थान का युवा बेहद प्रतिभाशाली, खेलों में उपलब्ध करवाएंगे विश्वस्तरीय सुविधाएं -मु.मंत्री

जयपुर, 18 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान का युवा बेहद प्रतिभाशाली है तथा यहां की खेल प्रतिभाओं में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन की क्षमता मौजूद है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खेल क्षेत्र में विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जा रही हैं, जिससे खिलाड़ी प्रदेश का नाम गौरवान्वित करें। प्रदेश को खेलों में अग्रणी बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में खेल एवं युवा मामले विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खेलों को बढ़ावा देने के लिए की गई सभी बजटीय घोषणाओं की

- **उन्होंने कहा, अधिकारी बजटीय घोषणाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।**

नियमित मॉनिटरिंग करते हुए समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के सर्वांगीण विकास, उन्हें प्रोत्साहित करने तथा उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए राज्य सरकार शीघ्र ही युवा नीति लाएगी। खेल के बुनियादी ढांचे के साथ विज्ञान, विश्लेषण, काउन्सलिंग तथा पोषण का समावेश करते हुए खेल नीति-2024 भी तैयार की जा रही है।

शर्मा ने कहा कि "खेलो इंडिया" यूथ गेम्स की तर्ज पर "खेलो राजस्थान" यूथ गेम्स आयोजित करवाए जाएंगे, इससे स्थानीय स्तर की प्रतिभाओं को तराशा जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण युवाओं को खेल प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने की दृष्टि से प्रथम चरण में 10 हजार की आबादी वाली 163 ग्राम पंचायतों का चयन किया जा चुका है। यहां ओपन जिम एवं खेल मैदान बनाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का नाम खेल के क्षेत्र में उन्नति के शिखर पर ले जाने के लिए मिशन ओलंपिक 2028 की शुरूआत की गई है। इसके माध्यम से प्रदेश के 50 सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को ओलम्पिक खेलों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। इसके लिए जयपुर में 100 करोड़ रुपये की लागत से सेंटर ऑफ एक्सलैंस फॉर स्पोर्ट्स का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसे शीघ्र पूरा किया जाए।

बैठक में शासन सचिव खेल एवं युवा मामले डॉ. नीरज के पवन ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभाग की बजटीय घोषणाओं की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

इस दौरान खेल एवं युवा मामले मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा और कांग्रेस ने ई.सी. के नोटिस का जवाब नहीं दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 नवम्बर। भाजपा और कांग्रेस में किसी भी पार्टी ने चुनाव आयोग के उन नोटिसों का जवाब नहीं दिया, जिनका जवाब सोमवार को अपरान्ह 1 बजे दे देना चाहिये था। राहुल गांधी, प्रधानमंत्री मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ की शिकायतों को लेकर जारी किये गये नोटिसों का जवाब देने के लिये दोनों ही पार्टियों ने सात दिन का समय और माँगा है। शनिवार को, आयोग ने मोदी और शाह के खिलाफ

- **दोनों दलों ने एक दूसरे पर लगाए आरोपों के संदर्भ में जारी ई.सी. के नोटिस का जवाब देने के लिए 7 दिन का समय और मांगा है।**

कांग्रेस द्वारा की गई शिकायतों के सम्बंध में भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा को, तथा राहुल गांधी के खिलाफ की गई शिकायतों के सम्बंध में कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र लिखे थे। चुनाव आयोग ने दोनों ही दलों को लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान भेजी गई एडवाइजरी भी याद दिलाई है तथा उनसे यह सुनिश्चित करने के लिये कहा है कि दोनों दलों के स्टार -प्रचारक ऐसे बयान देने तथा ऐसी टिप्पणियाँ देने से बचें, जो आदर्श आचार संहिता का निरादर करते हैं।

एस.आई. भर्ती- 2021 पर हाईकोर्ट का यथास्थिति का आदेश

प्रमुख गृह सचिव, डी.जी.पी. एस.ओ.जी. व आर.पी. एस.सी. सचिव से 22 नवम्बर तक जवाब मांगे

जयपुर, 18 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पेपर लीक को लेकर चर्चा में आई एस.आई. भर्ती, 2021 पर राज्य सरकार को यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में प्रमुख गृह सचिव, डी.जी.पी., ए.डी.जी., एस.ओ.जी. और राजस्थान लोक सेवा आयोग के सचिव सहित, दो अन्य से 22 नवंबर तक जवाब तलब किया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश कैलाश चन्द्र शर्मा व अन्य की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने अदालत को बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग ने 3 फरवरी, 2021 को पुलिस उपनिरीक्षक के पदों पर आवेदन मांगे थे। इसमें चार सौ अंक की लिखित परीक्षा और पचास अंक का साक्षात्कार रखा गया। भर्ती में 7.93 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया और 3.83 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा का आयोजन 13 सितंबर से 15 सितंबर 2021 तक हुआ। लेकिन पहली परीक्षा के दौरान ही पेपर लीक हो गया। इसकी एफ.आई.आर. भी दर्ज हो गई, लेकिन उसके बाद भी राज्य सरकार ने भर्ती की प्रक्रिया जारी रखी और 21 सितंबर 2023 को अभ्यर्थियों को नियुक्ति दे दी। इसके बाद एस.ओ.जी. ने 3 मार्च 2024 को परीक्षा के पेपर

- **हाईकोर्ट के सामने प्रस्तुत याचिका में यह मुद्दा उठाया गया है कि यदि भर्ती में धांधली के बाद चयनित हुए अभ्यर्थियों को फील्ड पोस्टिंग दी गयी तो इससे भ्रष्टाचार बढ़ेगा।**

लीक का मामला दर्ज किया। एस.ओ.जी. के मामला दर्ज करने के बाद, इसमें आर.पी.एस.सी. के पूर्व सदस्यों और कई ट्रेनी एस.आई. सहित दर्जनों की गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। याचिका में कहा गया कि मामले में एस.ओ.जी., पुलिस मुख्यालय व राज्य के महाधिवक्ता भर्ती परीक्षा को रद्द करने की अनुशंसा कर चुके हैं। इसके बावजूद अब तक भर्ती को रद्द नहीं किया गया है। ऐसे में संभावना है कि भर्ती में चयनित हुए अभ्यर्थियों को ट्रेनिंग के बाद फील्ड पोस्टिंग दे दी जाएगी। यदि भर्ती में धांधली के बाद चयनित हुए अभ्यर्थियों को फील्ड पोस्टिंग दी गई तो इससे भ्रष्टाचार भी बढ़ेगा। भर्ती में धांधली के कारण याचिकाकर्ता चयन से वंचित हुए हैं। इसलिए इस भर्ती को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने भर्ती पर यथास्थिति बनाये रखने के आदेश देते हुए संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

कैलाश गहलोत ने भाजपा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंत्री कैलाश गहलोत भाजपा में शामिल हो गए। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर सहित भाजपा के कई बड़े नेता मौजूद थे। कैलाश गहलोत ने एक दिन पहले ही आम आदमी पार्टी छोड़ी थी।

कैलाश गहलोत ने आप पार्टी के इन आरोपों को खारिज कर दिया कि उन्होंने दबाव में आकर भाजपा जॉइन की है। उन्होंने कहा, मैंने अपने पूरे जीवन में कभी भी कोई भी काम दबाव में आकर नहीं किया लेकिन गहलोत करीबी सूत्रों ने कहा कि उन्हें केन्द्र के एक वरिष्ठ मंत्री से संदेश मिला था कि अगर उन्होंने आज नहीं छोड़ी तो उनके खिलाफ केन्द्रीय एजेंसियां जांच शुरू करेंगी।

गहलोत ने कहा कि उन्होंने अपनी मर्जी से भाजपा जॉइन की क्योंकि आप से उनका मोह भंग हो गया है। दिल्ली की जनता की सेवा के लिए यह पार्टी बनी थी पर इसने अपने आदर्शों से पूरी तरह समझौता कर लिया है। यह दु:ख की बात है कि पार्टी ने दिल्ली की जनता पर व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को तवज्जो दी।

पार्टी का पूरा समय केन्द्र के साथ "टकराव में ही बीत रहा है।" गहलोत ने कहा कि भाजपा जो भी जिम्मेवारी देगी उसे वे बखुबी निभाएंगे।

इससे पहले गहलोत को भाजपा में शामिल करते हुए खट्टर ने कहा, यह दिल्ली की राजनीति का टर्निंग पॉइन्ट है।

राघवेन्द्र शौकीन दिल्ली सरकार में मंत्री बने

नयी दिल्ली, 18 नवंबर (वार्ता) दिल्ली में जाट समाज के लोकप्रिय नेता राघवेन्द्र शौकीन मुख्यमंत्री आतिशी की कैबिनेट में नए मंत्री होंगे।

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि दिल्ली को एक नया कैबिनेट मंत्री मिल रहा है। उन्होंने कहा, पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने तय किया है कि राघवेन्द्र शौकीन कैबिनेट में मंत्री होंगे। हम सब जानते हैं कि राघवेन्द्र शौकीन जाट समुदाय के एक लोकप्रिय नेता हैं और उन्होंने शिक्षा

- **वे लोकप्रिय जाट नेता हैं, जो दो बार विधायक व उससे पहले दो बार पार्षद रह चुके हैं।**

के क्षेत्र में काफी काम किया है। राघवेन्द्र शौकीन सिविल इंजीनियर भी रह चुके हैं। वह दो बार नांगलोई जाट से विधायक रहे हैं और उससे पहले दो बार पार्षद भी रहे हैं। उन्होंने दिल्ली सरकार में अलग-अलग समय पर विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दिया है और दिल्ली देहात में सक्रिय राजनीति करते रहे हैं। पूरी उम्मीद है कि राघवेन्द्र शौकीन दिल्ली के लोगों की सेवा करेंगे और जो भी ज़िम्मेदारियां उन्हें मिलेंगी, उन्हें पूरी निष्ठा से निभाएंगे।

मोदी हिंसाग्रस्त मणिपुर का दौरा करें-कांग्रेस

कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि 31 जुलाई से मणिपुर में पूर्णकालिक राज्यपाल नहीं है

नयी दिल्ली, 18 नवंबर। कांग्रेस ने कहा है कि मणिपुर में फिर हिंसा भड़कने से वहां की स्थिति और बिगड़ रही है, इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तुरन्त मणिपुर का दौरा कर समस्या के समाधान के लिए राज्य के नेताओं की सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए।

कांग्रेस के मणिपुर के प्रभारी महासचिव गिरीश चोडनकर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के. मेघचंद्रा तथा कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी विदेश यात्रा के दौरान बड़ी -बड़ी बातें करते हैं, लेकिन खुद के देश में मणिपुर पिछले साल तीन मई से जल रहा है, किन्तु उसके बारे में कुछ नहीं सोचते और न वहां जाकर समस्या पर बात कर उसका समाधान निकालते हैं।

- **नेताओं ने यह भी भी मांग की है कि प्रधानमंत्री को मणिपुर की समस्याओं के समाधान के लिए राज्य के नेताओं की सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए।**

संवाददाता सम्मेलन में मांग की गई कि मोदी मणिपुर जाएं, वहां के राजनीतिक दलों के नेताओं और राहत शिविर में रहने वाले लोगों से मिलें, मणिपुर के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाक़ात करें।

कांग्रेस नेताओं ने कहा, गत 31 जुलाई से मणिपुर में पूर्णकालिक राज्यपाल नहीं हैं, इसलिए जल्द से जल्द वहां पूर्णकालिक राज्यपाल नियुक्त किया जाना चाहिए। विफलताओं के बावजूद, मणिपुर के मुख्यमंत्री को क्यों बचाया जा रहा है। मोदी तथा अमित शाह ईमानदारी से यदि ड्रग माफिया के खिलाफ लड़ाई लड़ना चाहते हैं, तो हाईकोर्ट में लंबित सभी केसज़ में कारवाई शुरू करवाएं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मणिपुर में संवैधानिक तंत्र टूट चुका है, इसके बावजूद मणिपुर के मुख्यमंत्री को पद से नहीं हटाया गया - यह समझ से परे है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा, हजारों लोग अपने घरों से विस्थापित हुए हैं, कई लोग मारे गए हैं, वहां डबल इंजन सरकार फेल हो गई है। हम उम्मीद करते हैं कि मामले की गंभीरता को समझते हुए, कांग्रेस की मांग को माना जाएगा।

मोदी सोमवार सुबह ब्राज़ील पहुँचे

रियो डी जनेरियो/ नयी दिल्ली, 18 नवम्बर (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण में सोमवार सुबह ब्राज़ील के रियो डी जेनेरियो पहुंचे।

मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्राज़ील के रियो डी जनेरियो पहुंच गया। मैं शिखर सम्मेलन के विचार-विमर्श और विभिन्न विश्व

- **वे जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।**

नेताओं के साथ सार्थक बातचीत की आशा करता हूं। मोदी के आगमन पर ब्राजील में भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका गर्म जोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने कहा, रियो डी जेनेरियो पहुंचने पर भारतीय समुदाय के गर्मजोशी भरे और जीवंत स्वागत से मैं बहुत प्रभावित हुआ। उनकी ऊर्जा उस स्नेह को दर्शाती है, जो हमें सभी महाद्वीपों से जोड़ता है। भारतीय समुदाय के लोगों ने मोदी का स्वागत संस्कृत में मंत्रोच्चार साथ किया। मोदी जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के अलावा, विश्व नेताओं के साथ भी बातचीत करेंगे।

महाराष्ट्र, झारखंड चुनाव में 1 हजार करोड़ की शराब-नकदी जब्त

चुनाव आयोग के अनुसार यह जब्ती 2019 की तुलना में 7 गुना अधिक है

नयी दिल्ली, 18 नवंबर। चुनावों में मतदाताओं को प्रलोभन देने के हथकंडों पर रोक के लिए चुनाव आयोग की सख्ती के बीच प्रवर्तन एजेंसियों ने महाराष्ट्र और झारखंड, दोनों विधान सभा चुनावों के साथ-साथ उपचुनावों के प्रचार अभियान के दौरान, 1082 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी, शराब, ड्रग्स, मुफ्त उपहार और प्रलोभन की अन्य सामग्री जब्त की है।

आयोग ने सोमावार को जारी एक विज्ञिप्त में कहा कि इस बार महाराष्ट्र और झारखंड में कुल जब्ती 2019 की तुलना में सात गुना अधिक हुई है। दोनों राज्यों में प्रचार अभियान आज शाम पांच बजे थम गया। इस समय 14 राज्यों में उपचुनाव भी चल रहे हैं।

महाराष्ट्र और झारखंड राज्यों में कुल मिलाकर 858 करोड़ रुपये की

- **चुनाव आयोग की इस सफलता में झारखंड व महाराष्ट्र के साथ 14 राज्यों का भी हाथ है, जहाँ उपचुनाव हो रहे हैं।**

जब्ती की गयी है, जो इन राज्यों में 2019 के विधानसभा चुनावों के दौरान की गई जब्ती से सात गुना अधिक है। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनावों में, महाराष्ट्र में 103.61 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की गयी थी, जबकि झारखंड में जब्त राशि 18.76 करोड़ रुपये थी, जबकि इस बार जब्त नकदी क्रमश: 153.48 करोड़ रुपये और 14.84 करोड़ रुपये बतायी गयी है।

आयोग की विज्ञिप्त के अनुसार, महाराष्ट्र में इस बार 71.13 करोड़ रुपये की शराब, 72.14 करोड़ रुपये की नशीली दवाएं, 282.49 की महंगी धातुएं तथा 80.94 करोड़ रुपये के प्रलोभन के सामान जब्त किए गए।

झारखंड में इस बार 7.84 करोड़ रुपये की शराब, 14.84 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ, 8.38 की महंगी धातुएं तथा 152.22 करोड़ रुपये के प्रलोभन के सामान जब्त किए गए।

14 राज्यों में उपचुनाव के प्रचार अभियान के दौरान 13.65 करोड़ रुपये की नकदी 40.86 करोड़ रुपये की शराब 36.59 करोड़ रुपये की नशीली दवाएं 11.21 की महंगी धातुएं 121.60 करोड़ रुपये के प्रलोभन के सामान सहित, कुल 223.91 करोड़ रुपये की नकदी, शराब और सामान जब्त किए गए।

सपा विधायक की पत्नी की सम्पत्ति जब्त

भदोही, 18 नवंबर। भदोही में समाजवादी पार्टी के विधायक जाहिद बेग की संपत्ति सोमवार को एम.पी. एम.एल.ए. कोर्ट के आदेश पर जब्त कर ली गई।

अपर पुलिस अधीक्षक डॉक्टर तेजवीर सिंह ने बताया कि समाजवादी पार्टी के भदोही विधायक जाहिद बेग के घर काम कर रही नाबालिग नौकरानी को आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने एवं दूसरी नाबालिग किशोरी को बंधक बनाकर घरेलू काम लेने के आरोप में पुलिस द्वारा मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

मामले में आरोपित विधायक जाहिद बेग व पुत्र जईम बेग ने न्यायालय

- **भदोही के सपा विधायक जाहिद बेग की पत्नी पर नाबालिग नौकरानी को आत्महत्या के लिए उकसाने और एक अन्य नाबालिग नौकरानी को बंधक बनाने का आरोप है।**

में आत्मसमर्पण कर दिया था। समर्पण के बाद विधायक को केंद्रीय कारागार नैनी इलाहाबाद एवं पुत्र जईम को वाराणसी सेंट्रल जेल भेज दिया गया।

महाराष्ट्र विधानसभा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फड़नवीस की टक्कर कांग्रेस के प्रफुल्ल गुडाढ़े से है। आज फड़नवीस नागपुर में अपने लिये तथा अन्य भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में एक जनसभा को सम्बोधित करेंगे। भाजपा प्रवक्ता माधव भंडारी ने कहा, "फड़नवीस नागपुर दक्षिण-पश्चिम सीट से कम से कम पाँच बार निर्वाचित हो चुके हैं। परिसीमन की कवायद के कारण, इस सीट के क्षेत्र में बदलाव हुआ है।

अजित पवार बारामती सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। वे इस सीट से लगातार सात बार चुनाव जीत चुके हैं। वे 2019 में इस सीट से 1.67 लाख वोटों के रिकॉर्ड अन्तर से जीते थे। इस बार उनका मुकाबला उनके भतीजे युगेन्द्र पवार से है, जो शरद पवार के नेतृत्व वाली एन.सी.पी. (एस.पी.) के उम्मीदवार हैं।

राज्य कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने आज बाँधरा जिले के सकोली कस्बे में एक जनसभा को सम्बोधित किया। यहाँ उनका मुकाबला भाजपा के अविनाश ब्रह्मांकर से है। पटोले सबसे पहले 2009 में सकोली सीट से भाजपा प्रत्याशी के रूप में जीते थे। 2017 में, वे कांग्रेस में शामिल हो गये थे। 2019 में वे सकोली सीट से लगातार दूसरी बार जीते थे।

राज्य भाजपा अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले, जो तीन बार विधायक रह चुके हैं, नागपुर में काम की सीट से फिर चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस ने उनके खिलाफ सुरेश भोयार को मैदान में उतारा है।

उद्धव ठाकरे, जो एम.एल.सी. हैं, ने विधान सभा चुनाव कभी नहीं लड़ा है। उन्होंने करजट तथा बाँद्रा में जनसभाओं को सम्बोधित किया।

एम.एन.एस. प्रमुख राज ठाकरे ने माहिम में रैली की। इस सीट से उनके बेटे अमित ठाकरे त्रिकोणीय संघर्ष में फँसे हुये हैं। इस सीट पर शिव सेना के सदा सर्वांकर तथा सेना (यू.बी.टी.) के महेश सावन्त चुनाव मैदान में हैं। अमित का यह पहला चुनाव है।

कांग्रेस नेता बालासाहेब थोराट, जो संगमनेर सीट से लगातार 8 बार विधायक रह चुके हैं, नौवीं बार भी वहीं से खड़े हैं। भाजपा के राधाकृष्ण विखे-पाटिल शिरडी से अपना आठवाँ चुनाव लड़ रहे हैं। रोहित पवार करजट जामखेड़ से अपना दूसरा चुनाव लड़ रहे हैं। यहाँ शरद पवार आज एक रैली करेंगे। छगन भुजबल येओला चुनाव क्षेत्र में एन.सी.पी. (एस.पी.) के माणिकराव शिन्दे की चुनौती का सामना कर रहे हैं। छगन भुजबल इस सीट पर पिछले 20 वर्षों से जीतते आ रहे हैं।

मुम्बई के चुनाव पर सारी दुनिया की नजरें हैं, क्योंकि यहाँ के चुनाव परिणाम देश की वित्तीय राजधानी से एक ताकतवर सन्देश देंगे।

'उपचुनाव तय करेंगे यूपी का भविष्य'

लखनऊ 18 नवंबर। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा कि उत्तर प्रदेश आज़ादी के बाद के सबसे कठिन उपचुनावों का गवाह बनने जा रहा है। यह उपचुनाव उत्तर प्रदेश के भविष्य का रुख़ तय करेंगे।

यादव ने मतदाताओं के नाम अपील जारी कर कहा कि इन उपचुनावों में लोकसभा 2024 के चुनावों की तरह भाजपा की नकारात्मक राजनीति को फिर से धूल चटाने और संविधान, लोकतंत्र, आरक्षण व सामाजिक न्याय के संघर्ष को बचाने के लिए पूरा पीडीए समाज सभी नौ सीटों पर एकजुट है।

मणिपुर में सुरक्षाबलों की 50 और कम्पनियाँ भेजी जाएंगी

नयी दिल्ली 18 नवम्बर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में हिंसा की बढ़ती घटनाओं के बीच सोमवार को यहां लगातार दूसरे दिन वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक में सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की और सुरक्षा बलों तथा राज्य एजेन्सियों से राज्य में शांति व्यवस्था कायम करने के कदम उठाने को कहा।

इस बीच केन्द्र सरकार मणिपुर में कानून व्यवस्था की स्थिति बनाये रखने के लिए केन्द्रीय पुलिस बलों की तैनाती

- **वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों की बैठक में अमित शाह ने यह निर्णय लिया।**

भी बढ़ा रही है और वहां केन्द्रीय पुलिस बलों की 50 अतिरिक्त कंपनियां भेजी जा रही हैं। इससे पहले भी केन्द्र ने वहां 20 कंपनियां तैनात की थीं।

मणिपुर में हिंसा की ताजा घटनाओं के कारण बढ़ते तनाव के मद्देनजर, शाह ने रविवार को महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार के कार्यक्रम को अधूरा छोड़कर नॉर्थ ब्लॉक में वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के साथ आपात बैठक में मणिपुर की स्थिति की समीक्षा की थी। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में हिंसा की ताजा घटनाओं के बाद कई जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया है और कुछ अन्य क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाएं भी बंद हैं।

- **संजय मूर्ति हिमाचल प्रदेश कैडर के 1989 बैच के आई.ए.एस. अफसर हैं।**

हिंसा की घटनाओं के बाद, उग्र भीड़ ने कुछ विधायकों और मंत्रियों के घरों पर तोड़फोड़ तथा आगजनी भी की है, जिससे राज्य के कुछ हिस्सों में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

के. संजय मूर्ति नए सी.ए.जी. नियुक्त

नयी दिल्ली 18 नवंबर। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 1989 बैच के हिमाचल प्रदेश कैडर के अधिकारी के. संजय मूर्ति को नया कंट्रोलर एण्ड ऑडिटर जनरल (सी.ए.जी.) अर्थात नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक नियुक्त किया गया है। इस संबंध में आज अधिसूचना जारी की गई है, जिसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 148 के खंड (एक) के तहत यह नियुक्ति की है।

पांच माह के बच्चे की कॉकलियर इम्प्लांट सर्जरी

नयी दिल्ली 18 नवंबर (वार्ता) जन्म से ही कम सुनने के विकार से पीड़ित पांच महीने के शिशु में देश में पहली बार कॉकलियर इम्प्लांट सर्जरी करके चिकित्सा जगत में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गयी है।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में, फरीदाबाद के सर्वोदय अस्पताल में ई.एन.टी. एवं कॉकलियर इम्प्लांट

- **देश में इतने छोटे बच्चे की यह सर्जरी पहली बार हुई है।**

विभाग के निदेशक डॉ. रवि भाटिया ने सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इतनी छोटी उम्र में यह सर्जरी भारत में पहली बार हुई है। शिशु को जन्म से ही सुनने की समस्या थी। इस प्रक्रिया में मरीज के कान में एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण स्थापित किया जाता है।

एक अध्ययन के अनुसार भारत में जन्म लेने वाले हर 1000 बच्चों में से चार से छह बच्चों में जन्म से ही कम सुनने का विकार होता है। इस स्थिति में बच्चे सुनने की कम क्षमता के साथ जन्म लेते हैं। यह दोष या तो गर्भ में पल रहे शिशु के ऑडिटरी सिस्टम के असामान्य विकास के कारण होता है या माता-पिता से आनुवंशिक विकार के रूप में मिलता है। कई नवजात शिशुओं की सुनने की क्षमता की जाँच की ही नहीं जाती है, इसलिए इस दोष से पीड़ित शिशुओं की संख्या और ज्यादा होने का अनुमान है।

डॉ.भाटिया ने बताया साढ़े चार महीने के शिशु को सर्वोदय अस्पताल के सेंटर ऑफ ई.एन.टी. एवं कॉकलियर इम्प्लांट में भर्ती कराया गया था।

शिशु के पिता को भी जन्म से ही कम सुनने की समस्या थी। अस्पताल में शिशु का विस्तृत ऑडियोलॉजिकल परीक्षण किया गया और कॉकलियर इम्प्लांट सर्जरी करने का निर्णय लिया। अब वह शिशु 10 महीने का हो चुका है और एक स्वस्थ एवं सामान्य जीवन व्यतीत कर रहा है।

देश को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किलोमिटर में फैला है।

इसका नाम गुरू घासीदास तमोरे पिंगला टाइगर रिजर्व रखा गया है।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री ने लिखा कि, भारत टाइगर संरक्षण के नए सोपान तय कर रहा है।

हमने गुरू घासीदास तमोरे पिंगला टाइगर रिज़र्व को छत्तीसगढ में छप्पनवें टाईगर रिज़र्व के रूप में अधिसूचित कर दिया है। यह 2829 वर्ग किलामीटर में फैला है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

रीट परीक्षा-2021 घोटाले में शामिल इनामी महिला इमरती विश्नोई गिरफ्तार

फर्जी तरीके से अध्यापक की नौकरी पाने का सपना देख रही थी इमरती विश्नोई

- फरारी अवधि में दर-दर भटकती खेतों में फसल काटने का काम भी कर रही थी
- इससे पहले तीन बार दबिश में पुलिस को चकमा देने में कामयाब रही थी इमरती विश्नोई
- रेंज पुलिस की साइक्लोनर टीम ने अब तक 56 अपराधियों को पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर रेंज पुलिस की साइक्लोनर टीम ने रीट पेपर घोटाले की एक वांटेड महिला को गिरफ्तार किया है। महिला पर 25 हजार का इनाम घोषित हो रखा था। वह रीट परीक्षा 2021 घोटाले में शामिल होने के साथ वांछित चल रही थी। साइक्लोनर टीम की तरफ से अब तक 56 अपराधियों को पकड़कर जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया गया है।

रेंज आईजी विकास कुमार ने बताया कि मादक द्रव्य तस्करी के किंगपिंग, पेपरलीक घोटाले के सरगनाओं और लम्बे समय से फरार कुख्यात अपराधियों को पकड़ने का सिलसिला जारी है। साइक्लोनर सैल के गठन के आठ महीने में अब तक 56 अपराधी पकड़े जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में साइक्लोनर टीम ने ऑपरेशन बेंचवार्मर्स की चौथी सूत्रधार उमराई निवासी इमरती पत्नी रमेश विश्नोई को अब गिरफ्तार किया है। उस पर वर्ष 2021 के रीट परीक्षा घोटाले को लेकर 25 हजार रूपए का इनाम घोषित किया गया था।

पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि इमरती पत्नी रमेश विश्वोई के बारे में सूचना मिलने पर उसे रविवार की शाम को बालेसर थाना क्षेत्र के बम्बोर गांव में साईक्लोनर टीम ने एक होटल में दबिश देकर पकड़ा। वह पिछले तीन साल से फरार चली आ रही थी। फर्जी तरीके से अध्यापक की नौकरी पाने का सपना देख रही इमरती फरारी अवधि में दर-दर भटकती खेतों में फसल काटने का काम भी कर रही थी। वह इससे पहले तीन बार दबिश में पुलिस को चकमा देने में कामयाब रही थी, मगर इस बार वह पुलिस के हाथ लग गई।

पूर्व में पकड़ी गई छम्मी विश्रोई से था संपर्क :- इमरती विश्नोई के बारे में पता लगा कि वह वृन्दावन में पुजारिन बनकर फरारी काट रही पेपर लीक घोटाले की मुख्य सूत्रधार छम्मी विश्नोई से करीबी षड्यंत्रकारी सम्पर्क में थी। अब तक के अनुसंधान के अनुसार रीट परीक्षा में इमरती के पहले परीक्षा में अभ्यर्थी बनकर बैठने का ठेका छम्मी विश्नोई ने लिया था। छम्मी विश्रोई के पकड़े जाने पर इमरती से बारे सुराग हाथ लगे थे।

इमरती के दस्तावेज लगे हाथ :- रेंज आईजी विकास कुमार के अनुसार वर्ष 2021 में की गयी पुलिस कार्रवाई में मौके से ही इमरती के दस्तावेज व परीक्षा प्रवेश पत्र बरामद हुए थे। परीक्षा प्रवेश पत्र की फोटो में कम्प्यूटर से छेड़खानी की गई थी। फरारी अवधि में इमरती कल्याणपुर, जोधपुर, बम्बोर तो कभी अन्य रिश्तेदारों के यहां लगातार भागती ही रही। उसे बम्बोर में पिता की होटल व उसके पीछे रिहाइशी ठिकाने पर छुपकर रहना सुरक्षित लगा था। पूछताछ एवं जानकारी में पता लगा कि इमरती का बम्बोर प्रिय ठिकाना रहा क्योंकि यहां दूर से ही आने वाले को देखकर दौड़कर भाग जाया करती थी।

हर बार पुलिस को देखकर पिछवाड़े से खिसक जाया करती थी। साइक्लोनर टीम के सदस्य दो-दो के दल में ग्राहक बनकर होटल में बारी-बारी से पहुंचे तथा ड्राइवरों ने बाहर की घेराबन्दी कर ली तो चालाक इमरती की होशियारी काम न आ सकी ओर वह पुलिस की पकड़ में आ गयी। इस सम्पूर्ण कार्यवाही में हैड कांस्टेबल महिपाल सिंह की तकनीकी तथा कांस्टेबल गोपाल जाणी की आसूचना में मुख्य भूमिका रही। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक कन्हैयालाल के नेतृत्व में गठित कर एसआई सरोज कांस्टेबल महेन्द्र, कानि. राकेश, जोगाराम, रोहिताश, राकेश एवं मनीष भी शामिल रहे।

नौ करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद, पांच लोगों को पकड़ा

बॉर्डर पर साल भर पहले मिली थी नौ करोड़ की हेरोइन, जिसे बेच रहे थे उसी ने पकड़वाया

- डिलीवरी नहीं होने के कारण खेत मालिक को हेरोइन का पता चला तो उसने जमीन में गाड़कर छिपा दी थी, अब बेचने की फिराक में पकड़े गए

बीकानेर, (निसं)। पाक बॉर्डर से सटे बीकानेर के खाजूवाला में पुलिस ने डीएसटी की सूचना पर करीब नौ करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद की है। यह हेरोइन साल भर पहले पाक तस्करों ने ड्रोन के जरिये गिराई थी। डिलीवरी नहीं होने के कारण खेत मालिक को हेरोइन का पता चला तो उसने जमीन में गाड़कर छिपा दी। अब बेचने की फिराक में पकड़े गए।

जानकारी के अनुसार बीकानेर पुलिस ने खाजूवाला बॉर्डर इलाके में 986 ग्राम हेरोइन बरामद कर पांच लोगों को पकड़ा है। बरामद हेरोइन का बाजार मुल्य करीब नौ करोड़ रुपए बताया जा रहा है। जानकारी में सामने आया कि बरामद की गई हेरोइन सालभर पहले पाक बॉर्डर से सटे खाजूवाला के चक 10 बीडी में हरजिन्द्र उर्फ लाला जटसिख के खेत में ड्रोन के जरिये गिराई गई थी। डिलीवरी लेने वाले हेरोइन तक नहीं पहुंच पाए और वह खेत में पड़ी रह गई। खेत मालिक हरजिन्द्र और उसके पड़ोसी साथी हरदीपसिंह उर्फ प्रदीप जटसिख को हेरोइन का पता चला तो उनके मन में लालच आ गया। उन्होंने बीएसएफ या पुलिस को बताने की बजाय हेरोइन जमीन में गाड़कर छिपा दी। बाद में हेरोइन को बेचने का मौका और ग्राहक तलाशते रहे। तीन-चार माह पूर्व सचिन बिश्नोई ने हेरोइन को अच्छे दामों में बिकवाने का आश्वासन दिया। बीकानेर शहर में हेरोइन बेचने की तैयारी कर ली गई। सचिन ने हेरोइन बेचने के लिए जिससे संपर्क किया, वही पुलिस का मुखबिर बन गया। उसकी इत्तला पर पुलिस ने अपना जाल बिछाना शुरू कर दिया। 15 नवंबर को कार में सवार 10 बीडी निवासी हरदीपसिंह उर्फ प्रदीप, 13 बीडी निवासी गरबाजसिंह जटसिख व 14 बीडी निवासी परविन्द्रसिंह उर्फ पप्पू रायसिख 820 ग्राम हेरोइन लेकर बीकानेर आ रहे थे। खाजूवाला में मोदी डेयरी बीकानेर रोड पर रोही चक 6 केजेडी में डीएसटी और पुलिस ने घेराबंदी कर ली। चालक हरदीप मौके से निकल गया और कार में दोनों आरोपी पकड़े गए। उसके बाद पुलिस ने खोजबीन कर 10 बीडी निवासी हरजिन्द्र को भी पकड़ लिया और उससे 986 ग्राम हेरोइन बरामद की। कुल 1.8 किग्रा हेरोइन बरामद कर ली गई। हेरोइन बिकवाने का सूत्रधार सचिन भी पुलिस की गिरफ्त में आ चुका है।

पुलिस और डीएसटी को मुखबिर के जरिये 15-20 दिन पूर्व ही हेरोइन की खरीद-फरोख्त के बारे में जानकारी मिल गई थी। अभियुक्तों की गिरफ्तारी और माल बरामदगी की योजना बनाई। इस दौरान सचिन हेरोइन बेचने के लिए उसका सैंपल लेकर बीकानेर आया। इन दिनों शहर में पुलिस की सख्ती के कारण वह वापस खाजूवाला चला गया। वह चाहता था कि शहर की बजाय खाजूवाला में ही माल का सौदा हो। दूसरी ओर, पुलिस भी नहीं चाहती थी कि हेरोइन शहर में आए, क्योंकि, आशंका थी कि अगर हेरोइन शहर में बंट गई तो उसका इकट्ठा बरामद होना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए खाजूवाला में हेरोइन बरामद कर अभियुक्तों को पकड़ा।

बीकानेर रेंज आईजी ओमप्रकाश का कहना है कि बीकानेर रेंज में नशे पर लगाम के लिए पुलिस सख्त है और अभियान छेड़ रखा है। बॉर्डर एरिया में भी पुलिस और बीएसएफ समन्वय से काम कर रहे हैं और बड़ी मात्रा में हेरोइन पकड़ी जा रही है। इसके अलावा पुलिस-पंचायत कार्यक्रम के जरिये बॉर्डर इलाके के गांवों में रहने वाले लोगों को जागरूक भी कर रहे हैं, जिससे संदिग्ध और बाहर से आने-जाने वालों के बारे में जानकारी हासिल कर कार्रवाई की जा सके।

दो बाइकों की टक्कर में दो भाइयों सहित तीन की मौत

- दोनों सगे भाई सीकर से नीट की तैयारी कर रहे थे, तीसरा युवक गांव में अपना मकान बना रहा था

नोखा, (निसं)। दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना स्थल से गुजर रहे ग्रामीण ने एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी, हालांकि अस्पताल ले जाते वक्त गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति ने बीच रास्ते में ही दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि वह करीब एक घंटे तक सड़क पर ही तड़पता रहा। मृतकों में दो सगे भाई हैं। दोनों सीकर से नीट की तैयारी कर रहे थे। वहीं तीसरा युवक गांव में अपना मकान बना रहा था। हादसा रात 9.30 बजे नोखा (बीकानेर) के पांचू थाना क्षेत्र में हुआ।

पांचू थानाधिकारी रामकेश मीणा ने बताया कि हादसे में गांव कक्कू निवासी प्रमोद मेघवाल (23) पुत्र भंवरलाल मेघवाल और राकेश मेघवाल (25) पुत्र भंवरलाल मेघवाल की मौत हो गई। दोनों सगे भाई हैं। वहीं दूसरी बाइक पर सवार युवक भादला निवासी मघाराम कुम्हार (45) पुत्र देवाराम भादला ने भी मौके पर दम तोड़ दिया। थानाधिकारी ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। हादसे में मघाराम कुम्हार और प्रमोद मेघवाल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं राकेश को गंभीर हालत में नोखा जिला हॉस्पिटल ले जाया गया। वहां से बीकानेर पीबीएम रैफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

थानाधिकारी ने बताया कि दोनों भाइयों के चाचा चेनाराम मेघवाल ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया कि भतीजे प्रमोद और राकेश मेघवाल दोनों नीट की तैयारी कर रहे थे। दोनों पढ़ाई में होशियार थे। उनकी एक बहन है। दोनों बाइक से नोखा से कक्कू अपने गांव आ रहे थे। रात 9:30 बजे कक्कू से 2 किलोमीटर पहले स्थित पेट्रोल पंप पर भादला से नोखा की तरफ आ रही बाइक ने टक्कर मार दी। चाचा ने दूसरी बाइक पर सवार भादला निवासी मेघाराम कुम्हार ने तेज गति, लापरवाही और गलत तरीके से चलाते हुए टक्कर मारने का मामला दर्ज करवाया है। दूसरी बाइक पर सवार मेघाराम कुम्हार अपने गांव भादला में घर बना रहा था। घर का काम देखकर नोखा लौट रहा था। वह फिलहाल नोखा में रह रहा था। उसकी तीन बेटियां और एक बेटा है।

मुनाफे का लालच देकर युवक से 65 लाख की धोखाधड़ी

अजमेर, (कासं)। अजमेर के आदर्श नगर थाना क्षेत्र में प्रॉपर्टी निवेश में भारी मुनाफे का लालच देकर युवक से लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने फर्जी दस्तावेज के आधार पर करीब 65 लाख रुपए की धोखाधड़ी कर रकम हड़प ली। पीड़ित युवक ने थाने में धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

शास्त्री नगर निवासी अरविंद ओबेराय ने आदर्श नगर थाने लिखित शिकायत देते हुए धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़ित अरविंद ने बताया कि मुरली भगतानी और दीपक चंदवानी प्रॉपर्टी कारोबारी उसके पास आए और उसे प्रॉपर्टी के व्यवसाय में मुनाफे का लालच दिया। आरोपी मुरली ने अरविंद को बताया कि बड़गांव में आशीष विश्वा और कमल किशोर सैनी ने प्लॉटिंग की है, जिससे निवेश कर अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। अरविंद ने उनकी बातों में आकर बड़गांव जाकर संपत्ति देखी, जहां उसे आशीष विश्वा और कमल किशोर सैनी मिले। उन्होंने उसे संपत्ति में निवेश करने के लिए प्रेरित किया और मुनाफे के अच्छे सौदे होने का दावा किया।

पीड़ित का आरोप है कि आशीष ने फर्जी दस्तावेज बनाकर उसे निवेश के लिए प्रोत्साहित किया और विभिन्न जगहों पर निवेश का प्रलोभन देकर कुल 65 लाख रुपए हड़प लिए। अरविंद को जब ठगी का एहसास हुआ, तब उसने आदर्श नगर थाने में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने अरविंद की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले में पुलिस ने अरविंद के बयान दर्ज कर धोखाधड़ी के इस संगठित गिरोह की जांच में जुट गई है।

पात्रता जांच के लिए विचारित सूची जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक आचार्य- ब्रॉड स्पेशलिटी (चिकित्सा शिक्षा विभाग) संवीक्षा परीक्षा-2021 के तहत पात्रता जांच के लिए पेडियाट्रिक्स, ऑर्थोपेडिक्स एवं साइकेट्री के पदों की विचारित सूची जारी की गई है। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव ने बताया कि 6 मई को आयोजित संवीक्षा परीक्षा के फलस्वरूप पेडियाट्रिक्स के पदों हेतु 118, ऑर्थोपेडिक्स के पदों हेतु 150 एवं साइकेट्री के पदों हेतु 43 अभ्यर्थियों को पात्रता जांच हेतु अस्थाई रूप से विचारित सूची में सम्मिलित किया गया है। विचारित सूची चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित किये जाने के क्रम में केवल दस्तावेज सत्यापन के उद्देश्य से है तथा यह साक्षात्कार हेतु सफल अभ्यर्थियों की सूची नहीं है। साक्षात्कार हेतु अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची दस्तावेज सत्यापन के पश्चात जारी की जायेगी। आयोग द्वारा अभ्यर्थियों की पात्रता जांच विज्ञापन की शर्तों व नियमों के अनुसार की जावेगी। पात्रता की समस्त शर्तें नियमानुसार पूर्ण नहीं करने वाले अभ्यर्थियों की पात्रता आयोग द्वारा रद्द कर दी जाएगी तथा पात्र पाये गये अभ्यर्थियों में से साक्षात्कार हेतु अभ्यर्थियों का परिणाम जारी किया जाएगा। विस्तृत आवेदन पत्र अथवा दस्तावेज सत्यापन के संबंध में अभ्यर्थियों को यथा समय सूचित कर दिया जाएगा।

दुराचार मामले में आरोपी गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र में दुराचार के एक मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला 29 सितंबर का है, पीड़िता ने डाक के जरिए थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

थाने के हैड कांस्टेबल बाबू लाल ने बताया कि घटना 2016 की है, जब पीड़िता 10वीं कक्षा की छात्रा थी। पीड़िता ने बताया कि वह उस समय अपने ननिहाल गई थी, जहां उसकी मुलाकात आरोपी रूपेंद्र से हुई। रूपेंद्र ने ननिहाल में उसे अकेला देखकर घर में घुस कर उसे कोल्ड ड्रिंक पिलाई, जिसमें नशीला पदार्थ मिला हुआ था। बेहोशी का फायदा उठाकर रूपेंद्र ने उसके साथ दुराचार किया। आरोपी ने शादी का झांसा देकर पीड़िता के साथ बार-बार दुराचार किया। आरोपी रूपेंद्र ने पीड़िता को दिल्ली और पुष्कर भी घुमाने ले गया, जहां पर भी उसने पीड़िता के साथ दुराचार किया। जब पीड़िता ने शादी के लिए दबाव डाला, तो आरोपी ने शादी करने से इंकार कर दिया। पीडिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया है।

नशे के कैप्सूल सहित दो गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। अनूपगढ़ के रायसिंहनगर रोड से पुलिस ने दो युवकों को 800 नशीले कैप्सूल और गोलियों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को दो युवकों के इस इलाके में नशीले कैप्सूल लेकर आने की सूचना मिली। इस पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दो युवकों को रोका। दोनों युवकों की तलाशी ली तो उनके पास से नशे की गोलियां मिली। गिरफ्तार किए गए युवकों में आरोपी विजयकुमार पुत्र गंगाराम श्रीबिजयनगर के वार्ड चार का रहने वाला है जबकि अन्य आरोपी आशिक खान पुत्र याकूब खान श्रीबिजयनगर के वार्ड 12 का रहने वाला है।

आयोग ने चार विभिन्न विषयों की मॉडल उत्तर कुंजी जारी की

असिस्टेंट प्रोफेसर (संस्कृत शिक्षा विभाग) परीक्षा-2024

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर (संस्कृत शिक्षा विभाग) परीक्षा-2024 के तहत हिंदी, राजनीति विज्ञान, इतिहास एवं इंग्लिश विषय की मॉडल उत्तर कुंजियां आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। इन मॉडल उत्तर कुंजियों पर किसी अभ्यर्थी को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 20 नवंबर से 22 नवंबर 2024 को रात्रि बारह बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है।

आयोग के वरिष्ठ उपसचिव एसएन शर्मा ने बताया कि आपत्तियां आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र के क्रमानुसार ही प्रविष्ट करनी होंगी। उक्त परीक्षा के मॉडल प्रश्न पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। आपत्ति प्रामाणिक (स्टैंडर्ड, ऑथेंटिक) पुस्तकों के प्रमाण सहित ऑनलाइन ही प्रविष्ट करें। वांछित प्रमाण संलग्न नहीं होने की स्थिति में आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। उक्त परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों के अतिरिक्त यदि कोई अन्य व्यक्ति आपत्ति दर्ज करवाते हैं, तो उन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। आयोग द्वारा प्रत्येक प्रश्न हेतु आपत्ति शुल्क 100 रुपये (सेवा शुल्क अतिरिक्त) निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थी एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर उक्त परीक्षा के लिए उपलब्ध लिंक (क्वेश्चन आब्जेक्शन) पर क्लिक कर प्रश्नों पर आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री खराड़ी देवमाली गांव पहुंचे

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत देवमाली पर केंद्रीय जन जातीय व रक्षा मंत्री बाबूलाल खराड़ी सोमवार को बेस्ट टूरिज्म विलेज देवमाली पहुंचे और देव दर्शन कर खुशहाली की कामना की। केंद्रीय मंत्री बाबू लाल खराड़ी के अपने निजी कार्य से देवमाली पहुंचने पर सरपंच प्रतिनिधि पिरू गुर्जर मंदिर, कमेटी के अध्यक्ष माधु लाल गुर्जर सहित ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत भवन में दुपट्टा ओढ़ाकर व माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर खराड़ी ने पहाड़ी पर स्थित भगवान देवनारायण मंदिर में जाकर देव दर्शन किए।

बूंदी महोत्सव में लोक संस्कृति की छटा बिखरी

बूंदी महोत्सव के दौरान लोक कलाकारों ने संगीत की धुनों के बीच कच्छी घोड़ी नृत्य कर समां बांधा।

- लोक रंगों से सराबोर शोभायात्रा में जन सैलाब उमड़ा, पुष्पवर्षा से शहरवासियों ने स्वागत किया

बूंदी, (निसं)। हाड़ौती के पर्यटन पर्व बूंदी महोत्सव का भव्य शुभारंभ सोमवार को छोटी काशी में लोक सांस्कृतिक रंगों के बीच हुआ। जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा ने मंगल वाद्य यंत्रों की ध्वनि के बीच मंत्रोच्चार, शंखनाद, गणपति पूजन वंदन किया। इसके बाद जिला कलेक्टर, बूंदी के पूर्व राजपरिवार सदस्य वंशवर्धन सिंह ने ध्वजारोहण कर पर्यटन पर्व का शुभारंभ किया। गढ़ गणेश की पूजा-अर्चना पंडित विश्वनाथ शर्मा ने सम्पन्न कराई।

हर आयु वर्ग के व्यक्तियों में महोत्सव को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। लोक कलाकारों ने संगीत, धुनों के बीच कच्छी घोड़ी नृत्य कर समां बांधा। वहीं परम्परागत लोक वाद्यों की धुने गुंजायमान रही। महोत्सव में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में देशी विदेशी पर्यटक बूंदी पहुंचे है। इस अवसर पर गढ़ पैलेस में आयोजित कैनवास पेटिंग का भी जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा ने उद्घाटन किया। गढ़ गणेश की पूजा अर्चना के बाद निकाली गई शोभायात्रा में जन सैलाब उमड़ पड़ा। शोभायात्रा का मार्ग में जगह-जगह व्यापारिक, धार्मिक संगठनों, सामाजिक संगठनों, आमजन और और संस्थाओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। फादर रोबिन जान, सुखजिंदर सिंह, शहर काजी अब्दुल शकूर कादरी, मौलाना असलम, मेहमूद अली ने शोभायात्रा का स्वागत किया। गढ़ की पड्स से आरंभ होकर शोभायात्रा पुरानी बूंदी की विरासत को निहारती हुई मुख्य बाजार होकर पुलिस परेड ग्राउंड पर पहुंची। शोभायात्रा में घोड़े, ऊंट और नृत्य करते लोक कलाकारों ने फिजां में उत्सवी रंग घोल दिए। वहीं विभिन्न विभागों की ओर से संदेश बोधक झांकियां भी आमजन के आकर्षण का केन्द्र बनी रही।

बूंदी महोत्सव के तहत सोमवार को हुए विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के रंगों के बीच पुलिस परेड ग्राउंड पर प्रतियोगिताओं का रोमांच भी देखने को मिला। परेड ग्राउड पर उत्सवी रंगों के बीच हुई प्रतियोगिताओं ने सभी को रोमांचित कर दिया। कार्यक्रमों की कड़ी में पुलिस परेड़ ग्राउण्ड में देशी व विदेशी सैलानियों की साफा बांधों प्रतियोगिता हुई। विदेशी महिला पुरुषों ने जहां जोश व उत्साह के साथ साफा बांधने में होड दिखाई, वहीं स्थानीय पुरुषों ने भी साफा बांधा। विदेशी पर्यटकों की साफा बांधो प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आयरलेंड की क्रोमेक, दूसरे स्थान पर पौलेंड की पेट्रिजा, तीसरे स्थान पर फ्रांस की लियोनी रही। स्थानीय पुरूषों की प्रतियोगिता में भूपेन्द्र सिंह हाडा, द्वितीय स्थान पर धन्नालाल त्रिपाठी और जगदीश प्रसाद सेन तीसरे स्थान पर रहे। इसी मैदान पर स्थानीय लोगों की मूंछ प्रतियोगिता हुई। इस प्रतियोगिता में बीकानेर के कंवरलाल चौहान प्रथम, बीकानेर के किशोरलाल कल्ला दूसरे तथा श्याम जोशी तीसरे स्थान पर रहे।

प्रतियोगिता के दौरान महिलाओं की पणिहारी दौड़ हुई। इसमें महिलाओं ने सिर पर मटकी रखकर दौड़ लगाई। पणिहारी दौड़ प्रतियोगिता में पायल टेलर पहले स्थान पर रही। दूसरे स्थान पर विदेशी पर्यटक रोमानी तथा एनी तीसरे स्थान पर रही। महोत्सव की प्रतियोगिताओं की श्रृंखला में पुलिस परेड़ ग्राउण्ड पर विदेशी सैलानियों एवं स्थानीय नागरिकों के बीच रस्साकसी प्रतियोगिता हुई।

कार्यक्रम में बूंदी जिला प्रमुख चंद्रावती कंवर, जिला पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र कुमार मीणा, जिलाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, बूंदी नगर परिषद सभापति सरोज अग्रवाल, पूर्व जिला प्रमुख राकेश बोयत, पूर्व विधायक ओमप्रकाश शर्मा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुदर्शन सिंह तोमर, सीईओ रवि वर्मा, उपखण्ड अधिकारी एचडी सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमा शर्मा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. महावीर शर्मा, पर्यटन विभाग कोटा उपनिदेशक विकास पांड्या, सहायक पर्यटन अधिकारी प्रेम शंकर सैनी, राजकुमार श्रृंगी, मानस जैन, मनीष सिसोदिया, अशोक विजय, इंटेक संयोजक राजकुमार दाधीच, राजेंद्र भारद्वाज, गढ़ पैलेस संचालक जे.पी. शर्मा, नुपुर मालव, पंडित ज्योतिशंकर शर्मा, पुरूषोत्तमलाल पारीक, अशोक कुमार तलवास, निर्मल मालव, के.सी.वर्मा, विभिन्न विभागों के अधिकारी, मीडिया प्रतिनिधि, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिकों तथा बड़ी संख्या में आमजन की मौजूदगी रही।

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- राजकाज 11808719 दिनांक :- 15/11/2024

ई-निविदा सूचना संख्या:- जोन पीएचई /07/2024-25

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एंव राजकीय विभाग मे नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत ठेकेदारो से सिविल कार्यो हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्ते आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.jodhpurjda.org, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। NIB CODE :- JOD2425A0117

Tender ID/UBN No. :- JOD2425WSOB00257

राज.संवाद/सी/24/7854 अधिशाषी अभियंता (पीएचई)

कार्यालय नगरपालिका बालेसर सत्ता जिला-जोधपुर ग्रामीण (राज.)

क्रमांक :- न.पा.बाले.सत्ता/विकास/2024-25/27 दिनांक :- 11/11/2024

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना (2024-25)

नगरपालिका बालेसर सत्ता की ओर से नगरपालिका बालेसर सत्ता एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। नगरपालिका क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों हेतु अनुमानित लागत 92.76 लाख रू की निविदा ऑनलाईन जारी की दिनांक एंव निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajashtan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

NIB Code : DLB2425A3857

राज.संवाद/सी/24/7868 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत, अजमेर

क्रमांकः-अधी. अभि/निविदा/2166 दिनांक :-11.11.2024

NIB No.:-PWD2425A2605

विषय :- अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या 03 वर्ष 2024-25 (Construction of Dev Narayan Hostel Building at Nasirabad District Ajmer भवन का निर्माण कार्य) के प्रकाशन बाबत।

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से Construction of Dev Narayan Hostel Building at Nasirabad District Ajmer स्वीकृत भवन निर्माण कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं केन्द्रीय / राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कुल 01 (एक) कार्य जिसकी लागत राशि रू. 220.72 लाख है, के लिए ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा फार्म डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख एवं समय	बुधवार 13 नवम्बर 2024 प्रातः 9.30 बजे से 20 नवम्बर 2024 सायं 6.00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट www.dipronline.org पर एवं निविदा दस्तावेज का विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी।

UBN No.:- PWD2425WSOB09553

(गिर्राज प्रसाद गुप्ता), अधीक्षण अभियन्ता, सा.नि.वि. वृत-अजमेर

DIPR/C/11317/2024

बाड़मेर I ट्रांसमिशन लिमिटेड

(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की 100% पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)

बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सूचना

(विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 15 की उप-धारा (2) के तहत)

1. बाड़मेर I ट्रांसमिशन लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016 में है, जो कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निगमित है, ने केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग, नई दिल्ली के समक्ष विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 15 की उप-धारा (1) के तहत पारेषण लाइनों, उप-स्टेशनों और अन्य परिसंपत्तियों के संबंध में ट्रांसमिशन लाइसेंस प्रदान करने के लिए एक आवेदन किया है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:-

क्र. सं.	लाइन / सबस्टेशन का नाम (नोट के अनुसार स्थान)	बीपीसी की सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार लाइन की लंबाई / क्षमता	वार्षिक ट्रांसमिशन शुल्क (आईएनआर) मिलियन प्रति वर्ष	कमीशनिंग शेड्यूल	टिप्पणी
1.	765/400/220kV बाड़मेर-I पूलिंग सब स्टेशन और संबंधित उपकरण।	5500 एमवीए, 730 एमवीएआर (बीआर) 480 एमवीएआर (एसएलआर)	2473.60	असरदार तारीख यानी 07.11.2024 से 24 महीने	
2.	400kV फतेहगढ़-III (सेक्शन-2) पीएस-बाड़मेर-I पीएस डी/सी लाइन	51.16 किमी			
	फतेहगढ़-III (सेक्शन-2) पीएस पर 2 नं 400 केवी लाइन बे	-			
3.	765kV बाड़मेर-I पीएस-सिरोही पीएस डी/सी लाइन	229.17 किमी			
	सिरोही पीएस में 2 नं 765kV लाइन बे	480 एमवीएआर (एसएलआर)			

नोट: (i) सभी तत्वों के स्थान राजस्थान राज्य में हैं।
(ii) पूर्ण दायरे के लिए कृपया https://www.powergrid.in/subsidiaries पर जाएं

2. आयोग के समक्ष दायर पूर्ण आवेदन और अन्य दस्तावेज पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेब साइट https://www.powergrid.in/subsidiaries पर किसी भी व्यक्ति द्वारा उपयोग के लिए उपलब्ध हैं। आवेदन का निरीक्षण कंपनी के सी/ओ ईडी (टीबीसीबी), पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, सौदामिनी, प्लॉट नंबर 2, सेक्टर-29, गुड़गांव 122001 में श्रीमती रितु यादव, वित्त प्रभारी, बाड़मेर I ट्रांसमिशन लिमिटेड या आयोग द्वारा निर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार आयोग का कार्यालय के साथ भी किया जा सकता है।
3. आपत्ति या सुझाव, यदि कोई हो, आवेदक या उसके अधिकृत एजेंट, अखबार में नोटिस के प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर सचिव, केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग 7वीं मंजिल, टावर बी, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली-110029 के समक्ष आपत्ति (ओं) / सुझाव (ओं) की एक प्रति के साथ दायर किया जाना चाहिए।

श्रीमती रितु यादव, वित्त प्रभारी, बाड़मेर I ट्रांसमिशन लिमिटेड

स्थान : नई दिल्ली
तारीख: 19.11.2024

PG/CC/Notice-100(TBCB)/Advt-132/24-25

भारत के मुख्य कोच ऐसे ही हैं। इसके साथ ही गांगुली ने ऑस्ट्रेलिया में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सरफराज खान को मौका दिए जाने का भी पुरजोर समर्थन किया है। **- सौरव गांगली**

पूर्व भारतीय कप्तान, भारतीय क्रिकेट खिलाड़ियों की तुलना पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों से करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

साकिब महमूद

साकिब महमूद ने सबसे ज्यादा 9 विकेट झटके इंग्लिश मिडियम पेसर साकिब महमूद प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए। उन्होंने इस सीरीज के 4 मैचों में 9 विकेट झटके। वेस्टइंडीज के अल्जारी जोसेफ 4 विकेट लेकर टीम के टॉप विकेट टेकर रहे। इंग्लिश ओपनर फिल सॉल्ट ने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने चार पारियों में 162 रन बनाए। इंग्लैंड के नाम रही सीरीज, शुरुआती 3 मैच जीते थे इस मैच के रद्द होने के बाद 5 मैचों की टी-20 सीरीज इंग्लैंड के नाम रही।

क्या आप जानते हैं ?... उन्नीसवीं सदी तक बॉक्सिंग को दुनिया में हिंसक खेला माना जाता था और इस पेशेवर खेल पर प्रतिबंध था जो 1901 में हटा था।

एमयूजे की यशस्वी राठौड़ ने बिखेरी चमक

जयपुर, 18 नवंबर। मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर की बीपीईएस (बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड

स्पोर्ट्स) की प्रतिभाशाली छात्रा, यशस्वी राठौड़ ने एफआईएसयू विश्व विश्वविद्यालय शूटिंग चैम्पियनशिप 2024 में दो कांस्य पदक जीतकर अपनी काबिलियत का परिचय दिया है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित हुई, जिसमें दुनियाभर के बेहतरीन युवा निशानेबाजों ने हिस्सा लिया। यशस्वी ने व्यक्तिगत और टीम, दोनों श्रेणियों में शॉटगन स्कीट में कांस्य पदक जीतकर देश और विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। यशस्वी की यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम और समर्पण का परिणाम है। उनकी यह सफलता न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता को दर्शाती है, बल्कि वैश्विक मंच पर मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर की प्रतिष्ठा में भी चार चांद लगाती है। दुनिया भर के विश्वविद्यालयों के श्रेष्ठ निशानेबाजों के बीच प्रतिस्पर्धा करते हुए यशस्वी ने अपनी सटीकता और नियंत्रण का अद्वितीय प्रदर्शन किया और शीर्ष खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाई।

डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग का छठा संस्करण स्पोफिट अकादमी जयपुर में

जयपुर, 18 नवंबर। लीग चैयरमैन डा अनिल यादव ने बताया कि इस प्रतियोगिता की ट्रॉफी का अनवारण डॉ विकास स्वर्णकार, चैयरपर्सन महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज एन्ड टेक्नोलॉजी द्वारा किया गया।

इंग्लैंड और विंडीज आखिरी ट्वंटी-20 बारिश में धुला

अंग्रेजों ने 3-1 से जीती 5 मैचों की सीरीज

सेंट लूसिया, 18 नवम्बर। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच टी-20 सीरीज का 5वां और आखिरी मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। ऐसे में इंग्लिश टीम ने 5 मैचों की सीरीज 3-1 से अपने नाम कर ली। पिछला मुकाबला वेस्टइंडीज ने 5 विकेट से जीता था।

सेंट लूसिया के ग्रोस आइलेट में रविवार को इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 ओवर में बिना नुकसान के 44 रन ही बनाए थे कि बारिश आ गई और खेल रोकना पड़ा। बाद में इसे रद्द कर दिया गया। साकिब महमूद प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे। उन्होंने सबसे ज्यादा 9 विकेट झटके।

वेस्टइंडीज का स्कोर 44/0, लुईस-होप नाबाद रहे खेल रोके जाने तक वेस्टइंडीज ने बिना नुकसान के 44 रन बना लिए थे। ओपनर इवेन लुईस 20 बॉल पर 29 और शाई होप 10 बॉल पर 14 रन बना चुके थे। दोनों ने 44 रन की ओपनिंग साझेदारी की। लुईस ने पहला ओवर डाल रहे जोफ्रा आर्चर की दूसरी बॉल पर चौका जमाया। फिर होप के साथ मिलकर 5वें ओवर में टर्नर की बॉल पर तीन बाउंड्री जमाते हुए 16 रन लिए।

साकिब महमूद ने सबसे ज्यादा 9 विकेट झटके इंग्लिश मिडियम पेसर साकिब महमूद प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए। उन्होंने इस सीरीज के 4 मैचों में 9 विकेट झटके। वेस्टइंडीज के अल्जारी जोसेफ 4 विकेट लेकर टीम के टॉप विकेट टेकर रहे। इंग्लिश ओपनर फिल सॉल्ट ने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने चार पारियों में 162 रन बनाए। इंग्लैंड के नाम रही सीरीज, शुरुआती 3 मैच जीते थे इस मैच के रद्द होने के बाद 5 मैचों की टी-20 सीरीज इंग्लैंड के नाम रही। इंग्लिश टीम ने सीरीज के शुरुआती 3 मुकाबले जीते थे, जबकि चौथे मुकाबले को जीतकर विंडीज की टीम ने वापसी की थी।

आईपीएल नीलामी में हिस्सा लेने के लिए डेनियल विटोरी पर्थ टेस्ट बीच में छोड़े देंगे

पर्थ,18 नवम्बर। ऑस्ट्रेलिया के सहायक कोच डेनियल विटोरी इस सप्ताह के आखिर में होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की बड़ी नीलामी में भाग लेने के लिए यहां भारत के खिलाफ शुरुआती टेस्ट के बीच में ही अपना कार्यभार छोड़ देंगे। आईपीएल नीलामी 24-25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा में होगी। पांच मैचों की बॉर्डर गावस्कर श्रृंखला का शुरुआती टेस्ट मैच 22 नवंबर से यहां के ऑप्टस मैदान पर शुरू होगा। विटोरी ऑस्ट्रेलिया के सहायक कोच होने के अलावा आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के मुख्य कोच भी हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम के प्रवक्ता ने 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' से कहा, ''हम सनराइजर्स हैदराबाद के कोच के तौर पर डैन (विटोरी) की भूमिका का समर्थन करते है। वह आईपीएल नीलामी में हिस्सा लेने से पहले शुरुआती टेस्ट मैच की पूरी तैयारी करेंगे। वह नीलामी के बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाकी मैचों के लिए टीम के साथ रहेंगे।'' क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के राष्ट्रीय विकास कोच लाचलान स्टीवंस पर्थ टेस्ट के दौरान 45 साल के विटोरी की जगह लेंगे। विटोरी के अलावा रिकी पोंटिंग और जस्टिन लैंगर भी आईपीएल नीलामी के कारण 'चैनल सेवन' के लिए कमेंट्री की भूमिका को नहीं निभा पायेंगे।

राजस्थान-आंध्रा अंडर-23 सी.के. नायडू ट्रॉफी मैच ड्रॉ

जयपुर, 18 नवम्बर। बीसीसीआई के घरेलू क्रिकेट सत्र 2024 -25 की राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिता के जयपुर में के एल सैनी स्टेडयम पर राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में खेला जा रहा राजस्थान -आंध्रा अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी मैच आज अतिंम दिन ड्रॉ समाप्त हुआ।

राजस्थान पहली पारी 601/7 घोषित (159.5 ओवर), टीम के लिए सुमित गोदारा नाबाद 304, राज शर्मा नाबाद 86, जयंत ताम्बी 55, करण लाम्बा 46, हिमांशु नेहरा 44, मुकुल चौधरी 32 व पुखराज कुमार नाबाद 21 रनो का योगदान दिया।

आंध्रा पहली पारी 224 आल आउट टीम के लिए जी एस तेजा 115 रनो की पारी खेली।

राजस्थान के गेंदबाज मोहित चांगरा ने शानदार गेंदबाजी जारी रखते हुए आंध्रा की आधी टीम को पवेलियन लौटाया। राजस्थान के गेंदबाज मोहित चांगरा 44/5, चेतन शर्मा 45/2, अशोक शर्मा 49/1 व हिमांशु नेहरा 54/1 विकेट प्राप्त किया। अशोक शर्मा ने शानदार फ़िल्डिंग करते हुए आंध्रा के रवि किरण को रन आउट किया। आज अंतिम दिन खेल समाप्त होने तक आंध्रा ने अपनी दूसरी पारी में 4 विकेट के नुकसान पर 242 रन बना लिए थे। टीम के लिए जी एस तेजा 100 व प्रसाद 63 रन। राजस्थान के गेंदबाज मोहित चांगरा 66/2, चेतन शर्मा 25/1, हिमांशु नेहरा 88/1 विकेट प्राप्त किए।

राजस्थान टीम को क्वालीफाई के लिये अगला मैच जीतना ही होगा

संतोष ट्रॉफी फुटबॉल : राजस्थान और गुजरात का मैच ड्रॉ

जयपुर, 18 नवंबर। संतोष ट्रॉफी ग्रुप मैच के दूसरे दिन का पहला मैच मेजबान राजस्थान और गुजरात के बीच खेला गया जो ड्रॉ रहा। दोनो टीमों ने कोई गोल नहीं कर पाई। राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज के पहले मुकाबले में राजस्थान की ओर से अमित गोदारा, मुकेश,इमरान मानी, डिफेंस अल्ताफ और गोलकीपर गौरव ने शानदार खेल दिखाया और अच्छे मूव बनाये लेकिन गोल करने मैं सफलता नहीं मिली। गुजरात की ओर से भी अमन ने अच्छा खेल दिखाया दोनो ही टीमों के मध्य एक संघर्षपूर्ण मैच जो बराबरी पर रहा। मैन ऑफ द मैच राजस्थान के मुकेश को दिया गया। विदित है कि प्रथम मैच में राजस्थान ने महाराष्ट्र को 2-1 से विजय रही थी अब अंक तालिका में राजस्थान के 2 मैचों 4 अंक हो गये अब आखिरी मैच दमन और दिव से 20 नवंबर को होगा। दूसरा मैच महाराष्ट्र और दमन दीव के बीच खेला गया जिसमें महाराष्ट्र ने 3-0 से जीत हासिल की। महाराष्ट्र की ओर से पहला गोल सुमित ने किया तथा दूसरा और तीसरा गोल हिमांशु ने किए। मैन ऑफ द मैच महाराष्ट्र के हिमांशु को दिया गया। तीसरे दिन गुजरात और महाराष्ट्र के मध्य खेले जाने वाले मैच से ग्रुप क्वालिफाई की स्थिति साफ होगी।

ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 सीरीज में पाकिस्तान का किया सूपड़ा साफ

होबार्ट, 18 नवंबर। गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन के बाद मार्कस स्टॉयनिस (नाबाद 61) रनों की तूफानी पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को तीसरे टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 52 गेंदे शेष रहते सात विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में पाकिस्तान का सूपड़ा साफ कर दिया।

118 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और उसने 3.3 ओवर में 30 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। मैथ्यू शॉर्ट (दो), जेक फ्रेजर-मक्गर्क (16) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद कप्तान जॉश इंग्लिस और मार्कस स्टॉयनिस ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट लिये 55 रनों की साझेदारी हुई। 10वें ओवर में अब्बास अफरीदी ने जॉश इंग्लिस (27) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। मार्कस स्टॉयनिस ने 27 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्कों लगाते हुये (नाबाद 61) रनों की पारी खेली। टिम डेविड सात रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया ने 11.2ओवर में तीन विकेट पर 118 रन बनाकर सात विकेट से मुकाबला जीत लिया । पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह अफरीदी, अब्बास अफरीदी और जहानदाद खान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 17 के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान (नौ) को स्पेंसर जॉनसन ने आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद हसीबउल्लाह खान ने बाबर आजम के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। सातवें ओवर में एडम जम्पा ने हसीबउल्लाह खान (24) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद पाकिस्तान की पारी ताश के पत्तों की ढह गई। उस्मान खान (तीन), आगा सलमान (एक), इरफान खान (10), अब्बास अफरीदी (एक), जहानदाद खान (पांच), शाहीन शाह अफरीदी (16), सुफियान मकीम (एक) रन बनाकर आउट हुये। बाबर आजम ने 28 गेंदों में (41) रन बनाये। उन्हें एडम जम्पा ने बोल्ड आउट किया। पाकिस्तान की पूरी टीम 18.1 ओवर में 117 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ऐरन हार्डी ने तीन विकेट लिये। स्पेंसर जॉनसन और एडम जम्पा को दो-दो विकेट मिले। नेथन एलिस और जेवियर बार्टलेट ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

राजधानी

राज्य में संभावनाओं के नए द्वार खोलेगा राइजिंग राजस्थान : भजनलाल शर्मा

- **मुख्यमंत्री ने की 'राइजिंग राजस्थान' की समीक्षा, कहा, ''राज्य की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर बनाने के सफर में राइजिंग राजस्थान महत्वपूर्ण पड़ाव होगा''**
- **विकसित भारत-विकसित राजस्थान थीम पर आयोजित होगी प्रदर्शनी**

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था को अगले 5 सालों में 350 बिलियन डॉलर बनाने के सफर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा। उन्होंने कहा कि 9 से 11 दिसम्बर को आयोजित होने वाला यह समिट राज्य में सम्भावनाओं के नए द्वार खोलेगा और राज्य को देश-दुनिया में निवेश के प्रमुख केन्द्र के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएगा। इसमें होने वाले निवेश समझौतों से प्रदेश की हर क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति होगी और युवाओं के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ 9, 10 व 11 दिसम्बर को होने वाले विभिन्न आयोजनों, देश और विदेश से आने वाले अतिथियों के आगमन, उनके ठहरने तथा आयोजन स्थल से जुड़ी विभिन्न तैयारियों के बारे में विस्तृत चर्चा की। इस दौरान प्रमुख शासन सचिव उद्योग श्री अजिताभ शर्मा तथा शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति श्री रवि जैन ने अपने-अपने विभागों से जुड़ी तैयारियों के बारे में मुख्यमंत्री को विस्तार से जानकारी दी। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। राजधानी जयपुर सहित राज्य के सभी जिलों में प्रमुख स्थानों पर इससे संबंधित होर्डिंग्स एवं बैनर लगाए जाएं। उन्होंने अधिकारियों से सोशल मीडिया पर भी आयोजन का प्रमुखता से प्रचार करने को कहा। मुख्यमंत्री ने आयोजन स्थल की सजावट, अतिथियों की बैठक व्यवस्था तथा अन्य तैयारियों के विषय में जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयोजन से जुड़ी छोटी से छोटी तैयारियों का एक विस्तृत रोड़ मैप तैयार कर उन्हें अन्तिम रूप दिया जाए। बैठक में बताया गया कि समिट के दौरान विकसित भारत-विकसित राजस्थान थीम पर एक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें राजस्थान तथा समिट में भाग लेने वाले विभिन्न देशों के अलग-अलग जोन होंगे। राजस्थान जोन में प्रदेश के प्रमुख उद्योगों, खनिजों, पर्यटन स्थलों तथा कला-संस्कृति के बारे में एलईडी स्क्रीन, 3-डी प्रजेंटेशन तथा विभिन्न मॉडल्स के माध्यम से जानकारी दी जाएगी। साथ ही, राजस्थान में नए क्षेत्रों में औद्योगिक सम्भावनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी जाएगी। प्रदर्शनी में वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट के तहत जयपुर के सांगानेरी प्रिंट सहित अन्य जिलों के प्रमुख उत्पादों को दर्शाते हुए 3-डी तकनीक के माध्यम से राजस्थान के रमणीय एवं पर्यटन स्थलों के बारे में बताया जाएगा।

शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति रवि जैन ने मुख्यमंत्री को 9 और 10 दिसम्बर को आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। मुख्यमंत्री शर्मा ने निर्देश दिए कि कार्यक्रमों में राजस्थान की कला और संस्कृति की छाप नजर आए तथा स्थानीय लोक कलाकारों को इसमें विशेष प्राथमिकता दी जाए। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, आयुक्त उद्योग एवं वाणिज्य रोहित गुप्ता, रीको प्रबंध निदेशक इन्द्रजीत सिंह, राजस्थान फाउंडेशन आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा, अतिरिक्त आयुक्त बीआईपी सौरभ स्वामी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जयपुर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ नियोजित शहरों में से एक : दिया कुमारी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जयपुर शहर के 297वें स्थापना दिवस के अवसर पर कहा कि जयपुर की ऐतिहासिक विरासत को संरक्षण प्रदान करने के साथ ही यहाँ आधुनिक विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि जयपुर के परकोटे में सौ करोड़ के विकास कार्य करवाये जा रहें हैं। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को स्थापना दिवस के उपलक्ष में नगर निगम ग्रेटर जयपुर की ओर से स्टेचू सर्किल पर आयोजित दीपदान एवं रौशनी कार्यक्रम जयपुर वासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जयपुर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ और नियोजित शहरों में से एक है। यह युनेस्को की विश्वधरोहर में शामिल है। यह एक ऐसा शहर है जिसकी स्थापना सवाई जयसिंह द्वितीय के द्वारा 18 नवम्बर 1727 में पूर्ण वैज्ञानिक तरीके से तथा वास्तुशास्त्र के आधार पर की गई है। इस शानदार और अद्भुत शहर का वास्तु नियोजन विद्याधर भट्टाचार्य ने किया। सवाई जयसिंह द्वितीय खगोलशास्त्र में निपुण थे। जयपुर में जंतर मंतर की स्थपना किया जाना इसका बेहतरीन उदाहरण है। जयपुर की स्थापना के 300 साल पूरे होने वाले हैं।

यहाँ की चौड़ी सड़कें जिन पर आज भी सुगमता से परिवहन होता है। यहाँ के ड्रेनेज़ सिस्टम, जो आज भी प्राभवी तरीके से काम कर रहा है। जयपुर का हवा महल, सिटी पैलेस, बाजार, चौराहे, मंदिर सभी शानदार और आधुनिक नगर नियोजन के बेहतरीन उदाहरण हैं। दुनिया भर से शोध करने वाले जयपुर के नगर नियोजन पर शोध करते हैं। हर वर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। सब जयपुर के नगर नियोजन के देख अचंभित हो जाते हैं, अचरज में पड़ जाते हैं। जयपुर विश्व धरोहर है यह गर्व की बात है। जयपुर विश्व पर्यटन मानचित्र में विशेष स्थान रखता है यह गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि आज हम इस सुनियोजित शहर के बनने से संवरने के 297 वर्षों के सफर का उत्सव मना रहे हैं यह गर्व और खुशी की बात है। दिया कुमारी ने आयोजन की विधिवत शुरुआत नगर निगम ग्रेटर जयपुर की महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर के साथ दीप प्रज्जवलित करके की। इस अवसर पर लोक कलाकारों द्वारा ढोल, नंगाड़े, शहनाई वादन, कच्छी घोड़ी नृत्य सहित गायन और लोक नृत्यों कि शानदार प्रस्तुतियां दी।

जयपुर के 297वे स्थापना दिवस पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने स्टेचू सर्किल पर आयोजित दीपदान एवं रौशनी कार्यक्रम में भाग लियानगर निगम ग्रेटर जयपुर की ओर से स्टेचू सर्किल पर आयोजित इस कार्यक्रम में महापौर सौम्या गुर्जर मौजूद रहीं।

अल्बर्ट हॉल पर गूंजा ''हैप्पी बर्थ डे जयपुर''

- **कार्यक्रम में कालबेलिया नृत्य और थानू खा और शहरिया जनजाति का नृत्य की प्रस्तुति रही विशेष आकर्षण**

जयपुर (कासं)। जयपुर शहर के 297वें जन्मदिन पर सोमवार को हेरिटेज निगम की ओर से अल्बर्ट हॉल पर रंगारंग कार्यक्रम जयपुर लोकरंग उत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने एंजॉय करते हुए जयपुर का बर्थ डे सेलिब्रेट किया। हैरिटेज निगम महापौर कुसुम यादव ने बताया कि गुलाबी नगरी के 297 साल पूरे होने पर पिछले एक माह से अनवरत जयपुर समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

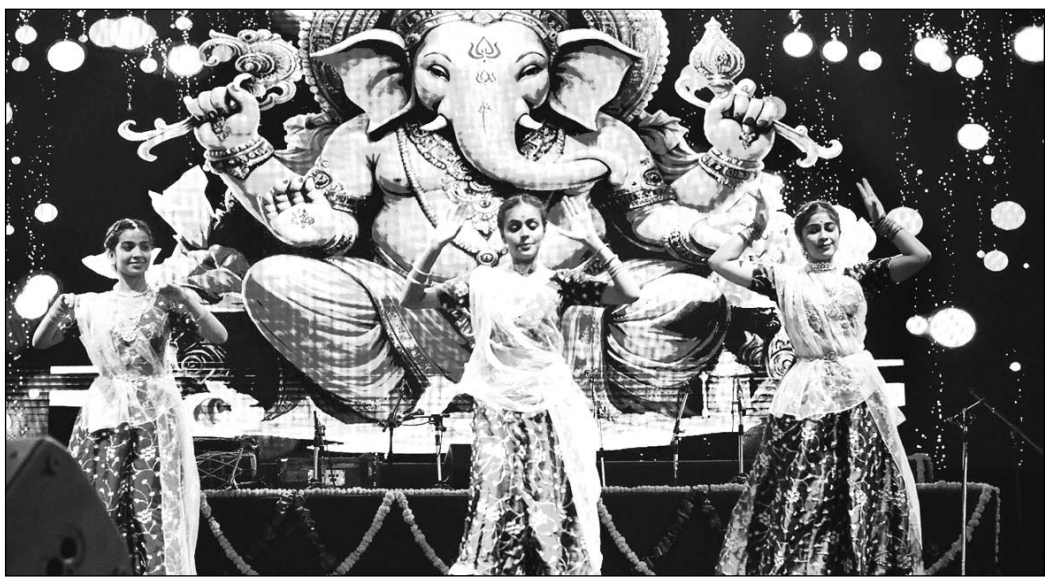

जयपुर स्थापना दिवस के अवसर पर अल्बर्ट हॉल पर राजस्थानी गीतों की महफिल सजी जिसमें 150 कलाकारों ने प्रस्तुति देकर समां बांधा।

सोमवार को समारोह का समापन जयपुर लोकरंग उत्सव आयोजित कर किया गया। इस दौरान राजस्थानी लोक संस्कृति को साकार करते हुए 150 से ज्यादा राजस्थानी कलाकारों ने शानदार प्रस्तुति देकर शहरवासियों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में विधायक गोपाल शर्मा, विधायक प्रत्याशी चंद्र मोहन बटवाड़ा, ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, उप महापौर पुनीत कर्णावत सहित पार्षद और अधिकारी मौजूद रहे। आयुक्त अरुण हसीजा ने बताया कि जयपुर स्थापना के अवसर पर हैरिटेज निगम की ओर से आयोजित जयपुर लोकरंग उत्सव में राजस्थानी कलाकारों ने विभिन्न प्रस्तुति जिनमें चरी नृत्य, उमराव, शहरिया नृत्य, चंग धमाल, घूमर नृत्य, भवई डांस की प्रस्तुति दी गई।

भारत-जापान के मध्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान से बढ़ी आपसी समझ : वासुदेव देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जापान यात्रा के दौरान सोमवार को टोक्यों में भारत के एम्बेसडर सी.बी. जार्ज से मुलाकात की। देवनानी ने टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में भारतीय राजदूत जॉर्ज के साथ विभिन्न समसामयिक विषयों पर संवाद किया। उनसे निवेश के विभिन्न क्षेत्रों में भारत-जापान संबंधों पर चर्चा भी की। जापान के साथ सेमीकंडक्टर, तकनीक, ऑटोमोबाइल के साथ ही भविष्य की योजनाओं में पर्यटन पर भी निवेश और एक्सचेंज प्रोग्राम पर विचार- विमर्श किया। देवनानी को जार्ज ने राजदूत कार्यालय का अवलोकन कराया। देवनानी ने वहां अधिकारियों से परिचय किया। देवनानी ने जापान में प्रवासी भारतीयों द्वारा चलाये जा रहे उद्योग-धन्धों, लोगों की आर्थिक स्थिति, रोजगार सहित शिक्षा, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, पर्यटन और आध्यात्मिक बिन्दुओं पर चर्चा की।टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास में सोमवार को आयोजित राजस्थान और उत्तरप्रदेश के कैंसिलेशन दिवस समारोह में विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि भारत और जापान के मध्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान ने आपसी समझ और दोस्ती को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सार-समाचार

भाजपा की कार्यशाला संपन्न

रावतभाटा, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी भैंसरोडगढ मण्डल की कार्यशाला सोमवार को बालाजी मंदिर बोराव पर संपन्न हुई। कार्यकम में भैंसरोडगढ मण्डल प्रभारी श्यामलाल शर्मा ने संबोधित करते हुए ज़्यादा से ज्यादा सक्रिय सदस्य बनाने पर ज़ोर दिया। ऑन लाइन 50 सदस्य बनने पर वो सदस्य सक्रिय सदस्य बन पाएगा। कार्यक्रम की अध्क्षता मण्डल अध्यश सुनील जैन ने की और मंडल क्षेत्र में चल रहें सदस्यता अभियान की जानकारी दी। मीटिंग में विजयपुर से आए हर्षवर्धन सिंह, किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष भीम धाकड, शंकर लाल, मनीष गाँधी, ओम सेन, दिनेश राठौर, हिमत सिंह, धर्मेंद्र पूरी, पूर्व जनपद कैलाष पूरी, बाबूलाल धाकड, नंदलाल मीणा, पराकस धाकड, शुभम लबाना, तेजमल, लादु राठौर सहित मण्डल के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एस.डी.पी. डोनेट की

कोटा, (निसं)। टीम जीवनदाता द्वारा लोगों की मदद का कारवा निरंतर बढ़ता चला जा रहा है। एसडीपी और रक्तदान के माध्यम से लोगों की नियमित मदद की जा रही है, ऐसे में एक गंभीर मामला सामने आया जब एक बिटिया (13) को गंभीर स्थिति में कोटा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, उसे तत्काल एसडीपी की आवश्यकता थी, ऐसे में बिटिया के भाई मोर सिंह ने प्रयास किया और टीम जीवनदाता के भुवनेश गुप्ता से सम्पर्क किया। टीम जीवनदाता के संरक्षक व संयोजक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि ओ पॉजिटिव एसडीपी के लिए हमेशा सेवा के लिए तत्पर रहने वाले रक्तकोष फाउंडेशन के अध्यक्ष लोकेश प्रजापति को कॉल किया तो वह बूंदी किसी कार्यक्रम में जा रहे थे और रास्ते के थे। लेकिन जब स्थिति की गंभीरता और जरूरतमंद की मदद का हवाला दिया तो वह सीधे ही अपना ब्लड सेंटर तलवंडी पहुंचे और एसडीपी डोनेट की। उन्होंने अब तक 141 बार एसडीपी डोनेट की है जबकि वह 30 बार ब्लड डोनेशन कर चुके हैं। लोकेश प्रजापति निरंतर एसडीपी और ब्लड डोनेशन के क्षेत्र में लोगों की मदद करते चले आ रहे हैं और सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उनकी प्रेरणा और कार्य को देखकर कई लोग इनसे मोटिवेट हुए हैं। लोकेश के भाई दिनेश प्रजापति, पत्नी और पिता नियमित रक्तदानी है और उनका मानना है कि यही संस्कार अब समाज में भी दिखने लगे है। गुप्ता ने कहा कि आमजन भी अपने परिवार को जोडकर रक्तदान के सेवाकार्य से जोड़े तो ये अभियान जनआंदोलन का रूप ले सकता है।

भाजपा मांगरोल की कार्यशाला हुई

मांगरोल (निसं)। भाजपा मांगरोल देहात मंडल की बैठक भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल सुमन के निर्देशानुसार, ब्राह्मणी माता मंदिर पर संघठन पर्व प्रभारी मुकेश केरवालिया, पूर्व प्रधान प्रेम गालव, चंबल परियोजना सभापति सुनील गालव, जिला परिषद सदस्य महेंद्र मीणा पूर्व उप प्रधान जगदीश सिंह के आतिथ्य व देहात मंडल अध्यक्ष दिलीप मीणा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। कार्यशाला में मुख्य वक्ता मुकेश केरवालिया ने संघठन पर्व पर चर्चा करते हुए कहा कि 30 नवम्बर तक सभी बूथों पर अध्यक्ष व बूथ समितियों का निर्वाचन होना अनिवार्य है संघठन की रचना प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार तय मानकों पर होना है। इस दौरान प्रेम गालव व जगदीश सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किया। कार्यशाला में भाजपा जिला सह प्रवक्ता योगेश राजौरा विद्यारतन मीणा, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष माणक गुर्जर अजय नागर भाजपा नेता हंसु गुर्जर बारां शहर भाजयुमो महामंत्री रोहित नायक रघुवीर गुर्जर, प्रेम मीणा, मनोहर सिंह हाडा, प्रेम शंकर मीणा पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेंद्र नागर रामदयाल गोंड, रमेश चंद्र शर्मा,उत्तम पारीक, अखराज नागर, रामबिलास मीणा, राजेंद्र मीणा विष्णु मीणा महलपुर, राजेश मीणा पृथ्वी सिंह जी अजय कुमार मीणा रूपचंद मीणा राम कल्याण मीणा रामचरण थानेदारआदि मौजूद रहे।

नशा मुक्ति अभियान पर कार्यशाला

बून्दी (निसं)। राजकीय कन्या महाविद्यालय में सोमवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत 'नई किरण- नशा मुक्ति अभियान' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन डॉ. कमलेश शर्मा के मुख्यातिथ्य एवं प्राचार्य डॉ संदीप यादव की अध्यक्षता में किया गया। प्राचार्य डॉ संदीप यादव ने नशा मुक्ति विषय पर विस्तार पूर्वक रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए नशे के दुष्परिणाम और वर्तमान पीढ़ी में नशे के प्रति बढ़ती लत से छात्राओं को अवगत करवाया। कार्यशाला में डॉ कमलेश शर्मा ने बताया कि नशे का सेवन न केवल शरीर के लिए बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्रीय के लिए भी हानिकारक है। साथ ही उन्होंने नशा मुक्ति से संबंधित सरकारी योजनाओं के बारे में भी बताया और नशा मुक्ति से जुडे हुए विभिन्न समाधानों से छात्राओं को अवगत कराया। इस दौरान संकाय सदस्यों सहित छात्राओं को भी नशा मुक्ति की शपथ के माध्यम से जीवन में नशे से दूर रहने और अन्य लोगों को भी नशा नहीं करने के लिए संकल्प दिलवाया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ चंपा अग्रवाल ने और राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी मुस्कान गोदिका ने आभार जताया।

विज्ञान प्रदर्शनी के विजेताओं का सम्मान

बून्दी (निसं)। कोटा आयोजित एक दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी में मॉडल प्रदर्शित कर द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं का राजकीय कन्या महाविद्यालय बून्दी में स्वागत अभिनंदन किया गया। प्राचार्य डॉ. संदीप यादव ने बताया कि महाविद्यालय की बी.एस.सी प्रथम सेमेस्टर की छात्राओं माधवी वर्मा, लक्ष्मी राठौर तथा प्रतिभा वर्मा ने भौतिक शास्त्र के सहायक आचार्य रवि कुमार चोपदार के निर्देशन में ऑर्गेनिक इलेक्ट्रिसिटी जनरेटर मॉडल मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलॉजी कोटा में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया था, जिसमें छात्राओं ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर 7100/- रुपये का नकद पुरस्कार तथा ट्रॉफी प्राप्त की। महाविद्यालय की इन प्रतिभावान छात्राओं का महाविद्यालय परिवार द्वारा भव्य स्वागत किया गया। प्राचार्य डॉ. यादव ने बताया कि छात्राओं का यह मॉडल कचरे का उचित प्रबंधन करते हुए विद्युत उत्पादन करने कि दिशा में एक बेहतरीन कदम हो सकता है।

सर्वेश तिवारी मिनी जंबूरी के रजिस्ट्रार होंगे

बून्दी (निसं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय बारां के तत्वावधान 19 नवंबर से 23 नवंबर तक कॉलेज ग्राउंड अटरू में मिनी जंबूरी का आयोजन किया जा रहा है आयोजन में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सर्वेश तिवारी को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। स्काउट उप प्रधान कृष्ण मुरारी दिलावर के संयोजन एवं डीओसी प्रदीप चित्तौडा के प्रधान संचालन में आयोजित इस भव्य आयोजन में दो हजार संभागियो को शिक्षा मंत्री, स्टेट चीफ कमिश्नर, राज्य सचिव, राज्य संगठन आयुक्त आदि सहित विभिन्न पदाधिकारी सानिध्य करेंगे। स्थानीय संघ संयुक्त सचिव, पूर्व डिस्ट्रिक्ट ट्रेनिंग कमिश्नर तिवारी हिमालय वुड बैज योग्यता एवं राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त हैं जो इस पांच दिवसीय आयोजन में होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं तथा गतिविधियों का करौली एएलटी हीरा लाल रावत के साथ अनुदेशन करेंगे।

सहायक उपकरणों के लिए आवेदन मांगे

झालावाड़ (निसं)। दिव्यांगजनों को सम्बल प्रदान करने हेतु संयुक्त सहायता योजनान्तर्गत कृत्रिम व सहायक उपकरणों से लाभान्वित करने हेतु दिव्यांगजनों से आवेदन लेने के लिए जिले में पंचायत समिति मुख्यालयों पर 20 से 25 नवम्बर तक दिव्यांगजन चिन्हीकरण एवं परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़ ने बताया कि पंचायत समिति झालरापाटन एवं बकानी में 20 नवम्बर को, पंचायत समिति अकलेरा व मनोहरथाना में 21 नवम्बर को, पंचायत समिति डग व भवानीमण्डी में 22 नवम्बर को तथा पंचायत समिति पिड़ावा व खानपुर में 25 नवम्बर को प्रातः 10 से सायं 5 बजे तक दिव्यांगजन चिन्हीकरण एवं परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा।

अवैध शराब के साथ तीन गिरफ्तार

छबड़ा (निसं)। पुलिस ने अवैध हथकढ़ कच्ची शराब के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 15 लीटर हथकढ शराब जब्त की है। सीआई राजेश खटाना के अनुसार हरिसिंह बंजारा निवासी उदपुरिया व धारासिंह कंजर निवासी शंकर कॉलोनी चांचौडा व सत्यनारायण गुर्जर निवासी जांचरोडा को 15 लीटर हथकढ शराब के साथ गिरफ्तार किया।

'स्व. माधवराव सिंधिया की प्रतिमा के साथ बेकद्री करने वालों को बर्खास्त किया जाए'

स्वर्गीय माधवराव सिंधिया की प्रतिमा के साथ बेकद्री करने वालों पर कार्रवाई की मांग के साथ ज्ञापन सौंपा गया।

कोटा, (निसं)। माधव राव सिंधिया वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों ने कटनी मध्यप्रदेश में पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव सिंधिया की मूर्ति के साथ बेकद्री करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हेतु अतिरिक्त जिला कलेक्टर को नितिन गडकरी केंद्रीय परिवहन मंत्री भारत सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा है।

यह जानकारी देते हुए माधव राव सिंधिया वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष व भाजपा नेता एडवोकेट इन्दमोहन सिंह हनी ने बताया कि कटनी मध्य प्रदेश में नेशनल हाईवे अथॉरिटी के अधिकारियों द्वारा जिस प्रकार स्व.माधव राव सिंधिया की प्रतिमा को हटाया उससे लाखों लोग

■ 'बर्खास्तगी के साथ कानूनी कार्रवाई हो'

आहत हुए और बड़े पैमाने पर लोगों में आक्रोश है। सिंधिया को लोग बड़े आदर से याद करते हैं। उन्होंने लाखों लोगों की मदद की, सरकारी नौकरियां लगवाई, गरीब बच्चियों की शादी की और सबसे बडी बात देश के विकास में उन्होंने बहुत बड़ा योगदान दिया।

जो भी विभाग उनको मंत्री के रूप में मिला उस विभाग को उन्होंने चार चाँद लगाए। ऐसे महापुरुष की प्रतिमा के साथ इस तरह की बेकद्री होगा सबके लिए बहुत शर्म की बात है। सिंधिया के मानने वाले मध्यप्रदेश में ही नहीं राजस्थान और देश के अन्य भागों में भी लोग बहुत दुखी हुए हैं। इन अधिकारियों द्वारा जिस प्रकार से यह कार्य किया गया इस पर बर्खास्ती व कानूनी कार्यवाई हो ताकि आगे से किसी भी महापुरुष की मूर्ति के साथ ऐसा ना हो।

जनजातीय गौरव दिवस मनाया

कोटा, (निसं)। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती जनजातीय गौरव दिवस के रूप में सोमवार को डीआरएम कार्यालय में मनाया गया। बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर डीआरएम मनीष तिवारी ने मंडल कार्यालय परिसर में उनके चित्र पर नमन कर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किया। डीआरएम कार्यालय परिसर में सभी रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को पुष्प अर्पित कर उनके त्याग, बलिदान और जीवन के संघर्ष को स्मरण किया। भगवान बिरसा मुंडा देश के जनजातीय समुदायों के शौर्य, साहस, पराक्रम और बलिदान के प्रतीक है। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक आर.आर.के. सिंह, वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी सुप्रकाश, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रोहित मालवीय, वरिष्ठ मंडल विधुत इंजीनियर(सामान्य) धर्मेन्द्र कस्तवार, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी विनोद कुमार मीना, वरिष्ठ मंडल विधुत इंजीनियर(टीआरओ) गौरव श्रीवास्तव, अन्य अधिकारी, यूनियन पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

थैलेसीमिया पीड़ितों के लिये डेसिरॉक्स दवा अस्पताल से उपलब्ध कराने की मांग

कोटा, (निसं)। एमबीएस अस्पताल में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को अच्छी क्वालिटी की दवा की मांग को लेकर थैलेसीमिया वैलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष सुनील जैन के नेतृत्व में एक ज्ञापन जिला कलेक्टर डॉ रविन्द्र गोस्वामी को दिया गया।

थैलेसीमिया वैलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष सुनील जैन ने बताया कि थैलेसीमिक बच्चों को लगातार अंतराल पर खून चढ़ाना पड़ता है, जिससे बच्चों के शरीर में आयरन जमा हो जाता है जिसे निकालने के लिए चिलेशन थेरेपी दी जाती है, वर्तमान में जो आयरन चिलेशन की जो दवाईयां दी जा रही है वो बहुत ही हल्के क्वालिटी की है जिससे बच्चों में आयरन की मात्रा बढ़ने से बच्चों के स्वास्थ्य पर विपरित प्रभाव आने लगा है, पार्षद सलिना शेरी बताया कि हमें पूर्व में एमबीएस अस्पताल के निशुल्क दवा वितरण काउंटर से डेसिरॉक्स 500 बच्चों को यहां से दी जा रही थी, लेकिन इसके बाद साधारण दवा दी जा रही है जिससे कि बच्चों को नुकसान हो रहा। इसकी शिकायत कई बार की गई है, फिर भी ब्रांडेड कंपनी की दवाईयां नहीं मंगाई जा रही हैं। जो दवाईयां अभी सप्लाई में हैं उससे बच्चों के शरीर में अनेक प्रकार के परिवर्तन आ गए हैं।

उनका आयरन बढ़ गया है जो कि दिल, किडनी, लिवर में जमा हो जाता है जो कि मरीज के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चे जो कि एमबीएस अस्पताल में इलाज करवा रहे हैं, वह गरीब तबके के हैं। बाहर से दवा नहीं ले सकते, ऐसे में सरकारी अस्पताल पर निर्भर हैं। ऐसे में उनकी स्थिति को देखते हुए जो डेसिरेक्स-500 दवाएं पहले सप्लाई में थीं, उन्हें शुरू की जाने की मांग की ज्ञापन देने वालों में निसार अहमद, आयुष मित्तल, योगेश शर्मा एडवोकेट, दुष्यंत दीक्षित आरिफ खान सहित सोसाइटी के सदस्य एवं बच्चे उपस्थित रहे।

लोक अदालत का आयोजन हुआ

बून्दी (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 14 दिसम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए भारतीय स्टेट बैंक के विभिन्न ऋण खातों की बकाया वसूली के लिए विशेष प्री-लिटिगेशन लोक अदालत सोमवार को एस.बी.आई. की माटून्दा चैराहा (शीश महल होटल) स्थिति शाखा परिसर में किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव सरिता मीणा ने बताया कि इस अवसर पर मुख्य प्रबन्धक, एस.बी.आई. मोनिका वर्मा, कॉउन्सलर अधिवक्ता कामरान खान व श्रुति शर्मा उपस्थित रही। लोक अदालत के लाभ बताये गये। विशेष प्री-लिटिगेशन लोक अदालत में राजीनामें के माध्यम से 10 प्रकरणों का निस्तारण कर कुल 9,50,000 नौ लाख पचास हजार रूपये की अवार्ड राशि पारित की गई। उन्होने बताया कि लोक अदालत में शीघ्र व सुलभ न्याय मिलता है। निर्णय की कोई अपील नहीं होती है। सिविल कोर्ट के आदेश की तरह पालना होती है, कोर्ट फीस की वापसी होती है, विवाद का अन्तिम रूप से निपटारा व समय की बचत होती है।

'गौमाता का पूजन तभी सार्थक है जब हम उसे गौधन दात्रि समझे'

अंता (निसं)। गौमाता को अनादि काल से लक्ष्मी के रूप में पूजन किया जाता रहा है लेकिन वर्तमान परिप्रेक्ष्य में गौमाता की दुर्दशा को देख कर मन विचलित हो उठता है।हमें इसके संवर्धन संरक्षण के स्थान पर इसे गौ धन दात्रि बनाए जाने की दिशा में विचार किया जाये।

यह विचार रविवार को नटराज गो शाला खजूरना कलां में आयोजित गोविज्ञान परीक्षा सम्मान समारोह एवं गौभक्त स्नेह मिलन समारोह में मुख्य वक्ता हेमेंद्र विभाग प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बारां ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि गोविज्ञान परीक्षा से आने वाली पीढ़ी को गौ माता के महत्व से अवगत कराया जा सकता है। गौमाता का पूजन कर उसकी महिमा मंडन किया जा सकता है। लेकिन आज जो हमारे देश में गौमाता की दुर्दशा हो रही है वह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि गौमाता अनादि काल से पूजनीय है वैभव और सुख-शांति देने वाली समझी जाती है लेकिन हकीकत यह है कि उसकी उपादेयता हमने ही कम कर दी है। हमें गो माता की दुर्दशा के मूल कारण को समझना होगा। उन्होंने कहा कि पहले गौमाता हर दृष्टि से हमारे लिए उपयोगी धन देने वाली थी दूध दही घी से लेकर गोबर , गौमूत्र, यहां तक कि उसके चमड़े से धन लाभ होता था कि न्यु आज हमने गौमाता को पशु समझ कर केवल दूध देने वाली बना दी है।

इसकी दुर्दशा के लिए हम सब जिम्मेदार है। समारोह में महामंडलेश्वर पूज्य राम नरेश महाराज परमहंस बगीची बारां ने कहा कि गौमाता हमें धन देती है ,निरोग रखती है, तथा हमें धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है वहीं हमें दया भाव भी सिखाती है। यह हमारे लिए हर दृष्टि से उपयोगी है। उन्होंने कहा कि गौ को माता मान कर उसकी हर संभव सेवा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज हमलोगों ने सनातन धर्म और संस्कृति से परे जाकर गौमाता को एक पशु के रूप में स्वीकार कर उसकी महिमा को कम कर दिया है जिसके कारण गौ मां की दुर्दशा हो रही है।

उन्होंने कहा कि गौमाता की सेवा से मिलने वाले फल को हमारे वेद पुराणों तथा ग्रंथों में सातवें स्वर्ग के आनंद प्राप्त करने के समान माना गया है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म को जीवित रखने के लिए हम सब हिन्दू धर्म को मानने वाले सभी बंधुओं को जाति धर्म के नाम पर बंटने के स्थान पर एक जुट होने की आवश्यकता है।

उन्होंने उपस्थित सभी गौभक्त को स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि यदि हम सब सनातन धर्म और संस्कृति के पोषक आपसी टकराव में उलझे रहे तो आने वाले 20 वर्षों में सनातन धर्म के अनुयायियों को चुन चुन कर आततायियों द्वारा धर्म परिवर्तन करने के लिए मजबूर कर दिया जायेगा।

श्रद्धांजलि दी

बूंदी (निसं)। परिवहन विभाग की ओर से वर्ल्ड डे ऑफ़ रेमेमब्रेन्स फॉर रोड एक्सीडेंट विक्टिम्स के उपलक्ष में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान नगर परिषद सभापति सरोज अग्रवाल ने यातायात नियमों का पालन करने की अपील की और कानून व्यवस्था बनाए रखने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में कैंडल जलाकर सड़क दुर्घटना में जान गवाने वाले व्यक्तियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, केसी वर्मा आदि भी मौजूद रहे। नगर परिषद सभापति कहा कि आमजन कर्तव्यों को समझते हुए प्रशासन के सहयोगी बने और सड़क नियमों का पालन करें। रोटरी क्लब अध्यक्ष महेश पाटोदी ने कहा कि हम सभी सुरक्षा नियमों की पालन पूरे संयम से करें। कार्यक्रम में जिला परिवहन अधिकारी प्रमोद लोढ़ा ने कहा सड़क दुर्घटनाएं एक महामारी से भी भयंकर रूप ले चुकी हैं हर साल लाखों लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं और घायल होते हैं। प्रशासन द्वारा अनेक नियम और कानून सड़क सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं पालन करना चाहिए।

'सक्रिय सदस्य बनने वाले कार्यकर्ता को ही अब संगठन में जिम्मेदारी मिलेगी'

भाजपा कार्यालय पर संगठन पर्व कार्यशाला को विधायक सिंघवी ने सम्बोधित किया।

छबड़ा (निसं)। भाजपा के सदस्यता अभियान के तहत सक्रिय सदस्य बनने वाले कार्यकर्ता को ही अब संगठन में जिम्मेदारी दी जाएगी और आगामी चुनाव में भी उसे ही टिकट दिया जाएगा।

अगर पार्टी कार्यकर्ता संगठन के लिए संकल्पित होकर कार्य करता है तो पार्टी ओर अधिक मजबूत होती हैं। इसलिए हमें एकजुट होकर भाजपा संगठन को मजबूत करना है। यह बात मुख्य अतिथि विधायक प्रतापसिंह सिंघवी ने भाजपा कार्यालय पर आयोजित संगठन पर्व कार्यशाला में कही हैं। इस अवसर पर संगठन पर्व के जिला सहप्रभारी राजेंद्र नागर, छबडा मंडल प्रभारी सारिकासिंह चौहान, सेमली मंडल प्रभारी सुरेंद्र गालव, बापचा मंडल प्रभारी लक्ष्मीनारायण केरवालिया, प्रदेश प्रतिनिधि हिम्मतसिंह सिंघवी, बारां पंचायत समिति प्रधान मोरपाल सुमन, नगर मंडल अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश गेरा, सेमली मंडल अध्यक्ष अशोक गौड़, बापचा मण्डल अध्यक्ष उदयसिंह लोधा आदि मौजूद थे।

यहां विधायक सिंघवी ने कहा कि राजनीति में कुछ भी स्थाई नहीं होता, कल कुछ भी हो सकता है। ऐसे में हम सभी को संगठन के प्रति ईमानदारी से लक्ष्य निर्धारित कर कार्य योजना को मूर्त रूप देने का प्रयास करना चाहिए। उन्होने कहा कि पार्टी मां का रूप होती हैं। मां का सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य हैं। परिवार में पार्टी को मां मानते हुए सेवा करो। पार्टी में उतार-चढ़ाव आदि आते-जाते रहते हैं।

अच्छाई-बुराई तो चलती रहती हैं। किंतु पार्टी के कार्य को हमे दृढ़ संकल्पित होकर करना हैं और उन्होने पार्टी कार्यकर्ताओ से ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाए जाने का आव्हान किया। इसके अलावा यहां वक्ताओ ने कहा कि मंडल के सभी षक्ति केंद्रो के अंतर्गत आने वाले बूथो की 11 सदस्यो की समिति का गठन कर 30 नवम्बर 2024 से पूर्व करना है।

सभी शक्ति केंद्र प्रभारी अपने अपने बूथो पर जाकर बूथ कमेटी गठित करे और सभी बूथ केंद्रो पर जाकर बूथ अध्यक्ष के सहयोग से कमेटी बनाकर उनके साथ बैठक करें। प्रत्येक कार्यकर्ता को सक्रिय सदस्य बनने के लिए न्यूनतम 50 सदस्य बनाना अनिवार्य है। यहां तीनो मंडलो के महामंत्री, बूथ अध्यक्ष, बूथ प्रभारी, शक्ति केंद्र प्रभारी, पार्षदगण व सरपंचगण सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सार-समाचार

उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया

अंता (निसं)। देवली उनियारा उप चुनाव के निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा की रिहाई एवं मामले की निष्पक्ष जांच तथा पीड़ितों को मुआवजा की मांगों को लेकर सोमवार को आदिवासी मीणा विकास समिति द्वारा प्रदर्शन कर उपखंड अधिकारी अंता को एक ज्ञापन देकर नरेश मीणा को रिहा करने, टोंक प्रशासन मुर्दा बाद के नारे लगाए गए और न्याय की मांग की गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को दोपहर बाद अन्ता मे आदिवासी मीणा विकास समिति के बैनर तले समिति के युवा रेलवे स्टेशन फाटक के पास एकत्रित हुए और प्रदर्शन करते हुए उपखंड अधिकारी अंता कार्यालय पहुंचे। जहां पुलिस की मौजूदगी में जमकर नारेबाजी की गई।इस अवसर पर वक्ताओं ने ओजस्वी भाषण में अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई और ग्राम समरावता मे प्रशासन द्वारा की गई दमनीय घटना और आगजनी से हुऐ नुकसान की सरकार द्वारा भरपाई करवाई जाने हेतु तथा द्वारा दबाव बनाकर महिला व अन्य दो कर्मचारियों के जबरन पूर्वक बोट दिलाकर इस घटना को उतेजित करने कार्य किया गया है।और ग्राम वासियो पर किये गये अत्याचारआगजनी मे ग्राम वासियो के हुऐ नुकसान तथा संपूर्ण मामले की जांच कर निर्दोष व्यक्तियों को न्याय दिलाने हेतु मांग की गई।इस अवसर पर वक्ताओं ने 20 नवम्बर को बारां मे आन्दोलन करने की चेतावनी दी।

खैराबाद एवं इटावा पंचायत समिति में दिव्यांगजन कल्याण शिविर लगेगा

कोटा, (निसं)। दिव्यांगजनों को संबल प्रदान के उद्देश्य से संयुक्त सहायता योजनान्तर्गत कृत्रिम अंग उपकरण उपलब्ध करवाने के लिए 19 नवम्बर को खैराबाद एवं 20 नवम्बर को इटावा पंचायत समिति मुख्यालय पर शिविर आयोजित किये जायेंगे। संयुक्त निदेशक सविता कृष्णिया ने बताया कि संयुक्त सहायता योजनान्तर्गत दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग उपकरण उपलब्ध कराने के लिए जिले की प्रत्येक पंचायत समिति मुख्यालयों पर दिव्यांगजन कल्याण शिविर आयोजित किये जायेंगे। इसके तहत खैराबाद पंचायत समिति मुख्यालय पर 19 नवम्बर एवं इटावा पंचायत समिति मुख्यालय पर 20 नवम्बर को दिव्यांगजन कल्याणार्थ षिविर आयोजित कर सुखद दाम्पत्य जीवन योजना, मुख्यमंत्री विषेष योग्यजन स्वरोजगार ऋण योजना, विषेष योग्यजन छात्रवृत्ति योजना, विशेष योग्यजन पेंषन योजना, यू.डी.आई.डी. (चिन्हीकरण) योजना अन्य विभागीय योजना के आवेदन तैयार करवाकर योजनाओं से लाभान्वित किया जायेगा। षिविर में राजकीय, निजी विद्यालय एवं कॉलेज में अध्ययनरत दृष्टिबाधित दिव्यांग बच्चों को डीजी सेट (इलेक्ट्रोनिक मोबाईल डिवाईस) के भी आवेदन पत्र भी तैयार करवाये जायेंगे।

सात माह मे यात्री यातायात से 1414 करोड़ रूपये का राजस्व अर्जित किया

कोटा, (निसं)। पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय के मार्गदर्शन तथा प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक एवं प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक के निर्देशन में वाणिज्य/परिचालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा कार्य करते हुए जबलपुर, भोपाल एवं कोटा तीनों मण्डलों में रेल राजस्व बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इसी तारतम्य में यात्री सुविधाओं में विस्तार एवं विकास कार्यों में गति प्रदान की जा रही है। चालू वित्तीय वर्ष के सात माह में पश्चिम मध्य रेल ने यात्री यातायात से 629 लाख 6 हजार बुक किए गए यात्रियों से 1414 करोड़ 65 लाख रूपये ऑरिजनेटिंग राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में यात्री यातायात से 1393 करोड़ 3 लाख रूपये की तुलना में राजस्व 2 प्रतिशत अधिक है। कोटा मण्डल ने 173 लाख 98 हजार बुक किए गए यात्रियों से 327 करोड़ 66 लाख रूपये राजस्व अर्जित की, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 162 लाख 2 हजार बुक किए गए यात्रियों की तुलना में लगभग 7 प्रतिशत अधिक हैं। पश्चिम मध्य रेल द्वारा यात्री यातायात और रेल राजस्व की उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास किया किये जा रहे है।

विद्युत रिटायर्ड कर्मचारी संघ की बैठक में समस्याओं पर चर्चा

छबड़ा (निसं)। राजस्थान विद्युत सेवानिवृत कर्मचारी संघ की बैठक जीएसएस स्थित हनुमान मंदिर पर आयोजित हुई। यहां मनोज कुमार भार्गव ने कहा कि छबडा उपखण्ड में 30 जून को रिटायर्ड होने वाले कर्मचारियों को अभी तक काल्पनिक वेतनवृद्धि का लाभ नही मिला है। वह शीघ्र मिलना चाहिए। शब्बीर खान ने कहा कि हरियाणा व पंजाब विद्युत सेवानिवृत्त कर्मचारियों का कोमिटेशन लोन 10 वर्ष 8 माह में पूरी कटौती हो रही है। लेकिन राजस्थान विद्युत सेवानिवृत्त कर्मचारियों की कटौती 14 वर्ष तक कि जा रही है, जो न्याय संगत नही है। शफीउल्ला खां ने बताया कि विद्युत विभाग में भी राजस्थान सेवानिवृत्त कर्मचारियों की तरह विद्युत निगम के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आरजीएचएस के तहत मेडिकल सुविधा प्रदान की जाए। बारां से आए जिला मंत्री ओमप्रकाश व कोषाध्यक्ष अब्दुल रसीद पठान ने कहा कि आप का यह मांग पत्र आगामी दिनों में ज्ञापन के माध्यम अधीक्षण अभियंता को प्रेक्षित किया जाएगा। यहां बडी संख्या में पेंशनर कार्मिकों ने अपने विचार व्यक्त किये।

बैठक आयोजित

झालावाड़ (निसं)। जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में सोमवार को मुकन्दरा टाईगर रिजर्व के कोर जोन में आने वाले ग्राम मशालपुरा के विस्थापन से शेष रहे परिवारों के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कलेक्टर ने ग्रामवासियों से वार्ता करते हुए उन्हें झालावाड़ जिले को मुकन्दरा टाइगर रिजर्व के विकसित होने से होने वाले लाभों की जानकारी दी। उन्होंने विस्थापन से शेष रहे परिवारों के सदस्यों से ग्राम मशालपुरा से विस्थापन के संबंध में समझाइश की। इस दौरान ग्रामवासियों ने विस्थापित होने पर मिलने वाली राशि में वृद्धि करवाने तथा व्यस्क सीमा 21 वर्ष से 18 वर्ष करवाने का आग्रह किया। इस पर जिला कलक्टर ने राज्य सरकार को इस संबंध में प्रस्ताव बनाकर भिजवाने की बात कही। इस दौरान उप वन संरक्षक सागर पंवार, कानूनगो अमित जैन एवं गागरोन पटवारी उपस्थित रहे।

रोजगार सहायता शिविर आज

बून्दी (निसं)। जिला रोजगार कार्यालय द्वारा 19 नवम्बर को होटल शगुन, पावर हाउस के सामने, नैनवां रोड़ पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि शिविर में बेरोजगार आशार्थियों को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त होगें। निजी क्षेत्र के नियोजक बेरोजगार आशार्थियों का साक्षात्कार लेकर चयन प्रक्रिया संपादित करेगें। साथ ही कौशल प्रशिक्षण संस्थान आर.एस.एल.डी.सी प्रशिक्षण के लिए बेरोजगार आशार्थियों का चयन करेगी। इस दौरान बेरोजगार आशार्थियों को व्यावसायिक मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इच्छुक बेरोजगार आशार्थी अपने मूल दस्तावेज मय छाया प्रतियों के तथा पांच पासपोर्ट साईज के फोटोग्राफ के साथ शिविर में भाग लेकर अवसर का लाभ उठावें।

दांगी समाज की बैठक सम्पन्न

झालावाड़ (निसं)। दांगी समाज द्वारा सोमवार को दांगी छात्रावास झालावाड़ में शौर्य दिवस की तैयारी के लिए बैठक आयोजित की गई जिसमे दांगी समाज द्वारा 19 नवंबर मंगलवार को शौर्य दिवस का आयोजन किया जाएगा। शोर्य दिवस सुबह 10 बजे से दांगी छात्रावास झालावाड़ में मनाया जाएगा। 11 बजे से वाहन रैली निकाली जायेगी। उसके बाद दांगी छात्रावास में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। बैठक में अखिल भारतीय क्षित्रय दांगी समाज संघ झालावाड़ जिला अध्यक्ष नरसिंगलाल दांगी, सचिव मांगीलाल अध्यापक,जिला संयोजक रामकरण प्रधान, कोषाध्यक्ष संजय पटेल, महामंत्री राम किशन, सालिगराम दांगी, जिला प्रवक्ता लक्ष्मीनारायण दांगी, कर्मचारी संघ अध्यक्ष रोडूलाल दांगी, विष्णुप्रसाद दांगी,राकेश दांगी, मीडिया प्रभारी रामप्रसाद दांगी, सुरेश दांगी मौजूद रहे।

जनसुनवाई आज

कोटा, (निसं)। सदस्य सचिव राजस्थान राज्य महिला आयोग विरेन्द्र सिंह यादव सोमवार सायं एक दिवसीय दौरे पर कोटा पहुंचे। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट शहर अनिल सिंघल ने बताया कि सदस्य सचिव मंगलवार, 19 नवम्बर को प्रातः 10 से दोपहर 2 बजे तक सर्किट हाऊस में जनसुनवाई करेंगे एवं दोपहर 2:30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।

रंगदारी मांगने वाले सरपंच और रिश्वत मांगने के आरोपी बाबू के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश

- अपनी जनसुनवाई में मंत्री दिलावर ने दिखाए सख्त तेवर
- आमजन के लिए खोला राहत का पिटारा

कोटा, (निसं)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री तथा रामगंजमंडी के विधायक मदन दिलावर चेचट के महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सरकार आपके द्वारा समस्या समाधान शिविर में जनसुनवाई करते हुए प्रशासनिक स्तर पर सख्त तेवर दिखाये हैं।

घाटोली के रामकुमार दास पुत्र निर्मल दास ने शिविर में उपस्थित होकर मंत्री दिलावर को शिकायत दी की 'मैं हनुमान मंदिर का पुजारी हूं, तथा घाटोली में गौशाला का संचालन कर रहा हूं। गांव का सरपंच दिनेश तिवारी मुझे बार-बार धमकी दे रहा है कि 2 लाख रुपए दो तभी गोशाला चलाने दूंगा नहीं तो गोशाला बंद करवा दूंगा।' मंत्री ने शिविर में उपस्थित चेचट पुलिस थाने के थानाधिकारी को आरोपी के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिए। इसके अलावा रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र से हो कर गुजर रहे 8 लेन मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेस हाइवे में अवाप्ति शुदा जमीन के मुआवजे के भुगतान के बदले रिश्वत मांगने के आरोपी बाबू को तत्काल हटाने के शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने निर्देश एसडीएम को दिए है। शिविर के दौरान शिव माली पुत्र सत्यनारायण माली और उसके बड़े भाई कैलाश माली ने लिखित प्रतिवेदन प्रस्तुत कर शिकायत की कि उसके हिस्से की करीब ढाई बीघा जमीन निर्माणाधीन एक्सप्रेस हाईवे में अवाप्त कर ली गई है उसके बदले उसे 1लाख 70 हजार रुपए बीघा की दर से मुआवजा पारित हुआ है। उपखंड अधिकारी कार्यालय में तैनात संजय जैन नामक बाबू उसे मुआवजे का भुगतान नहीं कर रहा है। भुगतान के बदले 10 प्रतिशत कमीशन की मांग कर रहा है। कृपया हमें हमारी जमीन का मुआवजा दिलवाया जाए।

कोटा के चेचट में मंत्री मदन दिलावर के द्वारा जनसुनवाई की गई है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शिविर में उपस्थित उपखंड अधिकारी नीता वसीटा को आरोपी बाबू को तत्काल हटाने के निर्देश दिऐं। उपखंड अधिकारी ने मंत्री को बताया कि उक्त बाबू संविदा पर कार्यरत है और उसे आज ही हटा दिया जाएगा। इससे पूर्व मंत्री मदन दिलावर ने निर्धारित कार्यक्रमानुसार शिविर में पहुंचकर विभागों द्वारा लगाई गई सरकारी योजनाओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। तत्पश्चात मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। शिविर की शुरुआत करते हुए मंत्री मदन दिलावर ने सबसे पहले क्षेत्र के स्वीकृत/प्रारंभ हुए विकास कार्यों की जानकारी दी। दिलावर ने चेचट संस्कृत महाविद्यालय भवन निर्माण के लिए 2.50 करोड़ रुपए देने की घोषणा की। नाला निर्माण के लिए 3 करोड़ रुपए दिए गए है जिससे साफ-सफाई के साथ पक्के नाले का निर्माण मय ढकान के होगा। मंत्री ने बताया कि चेचट में नवीन महाविद्यालय इसी सत्र से प्रारंभ हो चुका है। जिसमें विद्यार्थियों का प्रवेश के साथ अध्ययन शुरू हो गया है। खैराबाद में पशुपालन विभाग द्वारा 13 नवीन पशु उपकेंद्र स्वीकृत किए गए है।

ग्राम खीमच, खंभकोट, लखरिया, असकली, डोलियों, कल्याखेड़ी, खेड़ली, सालेड़ा खुर्द, हरियाखेड़ी, देवली खुर्द, झिरी, कुदायला तथा मंडा में एक-एक नवीन पशु उपकेंद्र शीघ्र शुरू हो जाएंगे। विधानसभा क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में वर्तमान में 19 करोड़ 65 लाख 85 हजार रुपए के विभिन्न निर्माण कार्य स्वीकृत अथवा प्रगति पर है।

शीघ्र ही 7 करोड़ रुपए के कार्यों की अतिरिक्त स्वीकृति और जारी की जा रही है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बताया कि रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र में तालाबों के पुनरुद्धार/हरवेस्टिंग स्ट्रक्चर/लघु सिंचाई परियोजना/मध्यम सिंचाई परियोजनाओं के लिए 144 करोड़, 89 लाख 21 हजार रुपए के कार्य स्वीकृत किए गए है। इनमें ग्राम रघुनाथपुर में तकली नदी पर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण लागत 10 करोड़ 97 लाख 47 हजार रुपए। तकली मध्य सिंचाई परियोजना की दांई मुख्य नहर और बाई मुख्य नहर के तहत 7800 हेक्टेयर के कृषि योग्य कमांड क्षेत्र को सिंचित करने के कार्य के लिए 49 करोड़ 8 लाख रुपए की स्वीकृति शामिल है। इसके अतिरिक्त विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना में विधायक कोष से 2 करोड़ 32 लाख 88 हजार रुपए के विभिन्न कार्य विधानसभा क्षेत्र में स्वीकृत किए गए है। राजकीय उप स्वास्थ्य केंद्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के नवीन भवन निर्माण हेतु 3 करोड 85 लाख रुपए स्वीकृत किए गए है। इनमें उप स्वास्थ्य केंद्र असकली, बुधखान, दुहानिया, सालेड़ा कलां, सहरावदा, भंवरिया तथा रावता शामिल है।

रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र में नवीन सड़कों/पुलिया और ब्रिज के निर्माण के लिए 84 करोड़ 24 लाख 80 हजार रुपए की स्वीकृति जारी की जा चुकी है। क्षेत्र में पेयजल के लिए 12 करोड़ 27 लाख के कार्य स्वीकृत किए गए है।कुल मिलाकर 267 करोड़ 24 लाख 75 हजार रुपए के कार्य रामगंजमंडी विधानसभा में वर्तमान में स्वीकृत/ चल रहे है। वर्तमान सत्र में वित्तमंत्री द्वारा घोषित 90 करोड़ 34 लाख रुपए की बजट घोषणा अलग है। शिविर के दौरान ग्राम वासियों की मांग पर सालेड़ा कलां ग्राम पंचायत में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपए की स्वीकृति शिविर में ही जारी की है।

सारस्वत ब्राह्मण समाज का अन्नकूट पादडा में संपन्न

सारस्वत ब्राह्मण समाज का अन्नकूट कार्यक्रम संपन्न हुआ है।

- केशवरायपाटन पादडा बालाजी धाम पर हुए कार्यक्रम में प्रदेश के पदाधिकारी भी शामिल हुए

कोटा, (निसं)। सारस्वत ब्राह्मण हितकारी समिति की ओर से सारस्वत ब्राह्मण समाजबंधुओं का अन्नकूट एवं दीपावली मिलन समारोह केशवरायपाटन ग्राम पादडा स्थित बालाजी धाम मंदिर में धूमधाम से आयोजित किया गया। संस्था के अध्यक्ष मुकेश सारस्वत ने बताया कि अन्नकूट महोत्सव में हाड़ौतीभर से समाजबंधु शामिल हुए।

इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल थे। यहां चतुर्भुज नाथजी की झांकी सजाई गई तथा बालाजी और चतुर्भुज नाथ जी को 56 भोग लगाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान श्री चतुर्भुज नाथजी की आरती के साथ हुई।

समाज के पदाधिकारियों के साथ-साथ सदस्यों ने भी इस महाआरती में भाग लिया। सभी ने भक्ति गीत गाए। इस अवसर पर स्थानीय सरपंच दीनदयाल मीणा, पंचायत समिति सचिव रामराज मीणा व सहायक अभियंता विजेन्द्र गोचर मौजूद रहे।

कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जयपुर से समाज के पहले कोषाध्यक्ष मांगीलाल ओझा एवं उनकी पुत्री डॉ.सुनीता ओझा, मथुरा सारस्वत समाज के अध्यक्ष हरीशचन्द्र सारस्वत व भीलवाड़ा से रमेश शुक्ला भी केशवरायपाटन ग्राम पादडा पहुंचे। इस अवसर पर अध्यक्ष मुकेश सारस्वत ने कहा कि पादडा में बालाजी धाम समाज के लिए आराधना का केन्द्र है। समाज के प्रयासों से यहां योग भवन का निर्माण हुआ है, यहां निर्माण और इंटरलॉकिंग के साथ योग भवन और मंदिर दोनों स्थलों का कायाकल्प हो गया। समाजबंधुओं के लिए केशवरायपाटन में सामाजिक कार्यक्रमों के लिए बेहतर स्थल हो गया।

महामंत्री कुलदीप प्रकाश शर्मा ने बताया कि समाज प्लास्टिक मुक्ति के लिए लगातार प्रयासरत है। समाजबंधुओं द्वारा जागरूकता भी लाई जा रही है ताकि शहर को प्लास्टिक मुक्त रखने में योगदान निभा सकें।

कोटा से 20 नवम्बर को अंतिम ट्रिप पानीपत के लिए स्पेशल ट्रेन जाएगी

कोटा, (निसं)। यात्रियों की सुविधा हेतु अतिरिक्त यात्री भीड़ को क्लीयर करने के उद्देश्य से रेल प्रशासन द्वारा ट्रेन आन डिमांड के तहत गाड़ी संख्या 09801/09802 कोटा-पानीपत-कोटा के मध्य अंतिम ट्रिप 20 नवम्बर को स्पेशल ट्रेन जाएगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित श्रेणी, शयनयान श्रेणी, सामान्य श्रेणी सहित कुल 21 कोच हैं। रेलयात्री किसी भी कंप्यूटरीकृत आरक्षण केन्द्र या ऑनलाईन आईआरसीटीसी की वेबसाईट से इस स्पेशल ट्रेन में कोटा से सामान्य कोटे में स्लीपर में 226 बर्थ, वातानुकूलित थर्ड एसी में 84 बर्थ की वर्तमान सीट उपलब्धता का लाभ उठा सकते है।

यह आरक्षित बर्थ की उपलब्धता परिवर्तनीय है। गाड़ी सं 09801 कोटा से पानीपत के लिए प्रस्थान अपने प्रारम्भिक स्टेशन से सुबह 07.15 बजे प्रस्थान कर सायं 18.35 बजे पानीपत पहुंचेगी और वापसी गाड़ी संख्या 09802 पानीपत से कोटा के लिए प्रस्थान अपने प्रारम्भिक स्टेशन से रात 21.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 07.30 बजे कोटा पहुंचेगी। गाड़ी के हॉल्ट-यह गाड़ी दोनों दिशाओं में लाखेरी, सवाई माधोपुर, गंगापुरसिटी, हिंडौनसिटी, बयाना, भरतपुर, मथुरा, नई दिल्ली, सोनीपत एवं भोडवाल माजरी स्टेशनों पर रुकेगी। यात्री स्पेशल ट्रेन के ठहराव की विस्तृत जानकारी रेल मदद 139 अथवा ऑनलाईन माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।

नाम परिवर्तन

मैं अंकित मरचूनिया (Ankit Marchunia) आत्मज संजय माहेश्वरी निवासी 2-झ-2 दादाबाड़ी विस्तार योजना, कोटा मेरे नाम अंकित मरचूनिया (Ankit Marchunia) है। लेकिन मेरे पासपोर्ट में सरनेम की स्पेलिंग Marchuina आलेखित है जो गलत है सही स्पेलिंग Marchunia है। मेरे सरनेम की स्पेलिंग Marchuina के स्थान पर Marchunia पढ़ा जावे।

खोया-पाया

विनोद सोनी पुत्र कन्हैया लाल सोनी 3-C-34 दादाबाड़ी विस्तार कोटा का निरस्तीकरण प्रमाण पत्र गुम हो गया है, किसी को मिलने पर सूचित करें।

कार्यालय नगर निगम कोटा उत्तर (राज0)

पता :- राजीव गाँधी भवन, दशहरा मैदान, कोटा ई-मेल :-nnkota@gmail.com

क्रमांक :- ननिको(उ)/राजस्व/2024/9074-84 दिनांक:- 13.11.2024

ई-निविदा सूचना 2024-26

नगर निगम कोटा उत्तर सीमा क्षेत्र में समस्त डिवाईडरों पर लगे विद्युत पोलो पर लघु विज्ञापन पट्ट (पोल कियोस्क साईज 30"X 40") दोनों तरफ प्रदर्शित किये जाने की दो वर्ष के लिये ई-निविदा पद्धति से ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है।

इस हेतु इच्छुक व्यक्ति/फर्म/ऐजेन्सी निविदा प्रपत्र एवं शर्तें नगर निगम की वेब साईट www.kotamc.org.com एवं http://sppp.rajasthan.gov.in तथा https://eproc.rajasthan.gov.in/ से देख एवं डाउनलोड कर सकते है।

1. UBN No. DLB2425SLOB11866
2. NIB No DLB2425A3871

उपायुक्त राजस्व
नगर निगम कोटा उत्तर

राज.संवाद/सी/24/7901

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रामगंजमंडी स्टेशन का कायाकल्प

- रामगंजमंडी का पुनर्विकास कार्य 52 फीसदी तक पूरा हुआ

कोटा, (निसं)। मंडल के रामगंज मंडी रेलवे स्टेशन का कायाकल्प अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 18.62 करोड़ रुपये की लागत से तीव्र गति से किया जा रहा है। वर्तमान में स्टेशन का 52 फीसदी कार्य पूरा हो चुका हैं।

रामगंजमंडी रेलवे स्टेशन एशिया के सबसे बड़े धनिया मंडी के लिए प्रसिद्ध है। यह स्टेशन उन्नत यात्री सुविधाओं के कायाकल्प से एक आदर्श स्टेशन बन जाएगा। स्टेशनों के कार्य प्रगति का नियमित अन्तराल पर डीआरएम मनीष तिवारी द्वारा निरीक्षण एवं समीक्षा की जा रही है। इस स्टेशन का उन्नयन कार्य मार्च, 2025 से पहले पूरा करने का लक्ष्य है। स्टेशन नवीनीकरण एवं उन्नत यात्री सुविधाओं से युक्त होने पर स्थानीय आमजनता को लाभ एवं आर्थिक गतिविधियों के साथ पर्यटन में इजाफा होगा।

अमृत स्टेशन योजना के अन्तर्गत मंडल के 17 रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प किया जा रहा है जिसमें सर्कुलेटिंग एरिया का विकास, अलग-अलग प्रवेश व निकास द्वार, टू-व्हीलर, फोर-व्हीलर और ऑटो रिक्शा के लिए अलग-अलग पार्किंग की सुविधा, यात्री क्षमता के अनुसार पर्याप्त क्षेत्र में प्रवेश हॉल का निर्माण, कोच इंडिकेशन बोर्ड का प्रावधान, वेटिंग रूम, स्टेशन बिल्डिंग के आंतरिक व बाहरी भाग में उत्कृष्ट साज-सज्जा, स्थानीय लोक कला से निर्माण, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, बेहतर साइनेज की सुविधा, 12 मीटर चौडाई के फुट ओवर ब्रिज इत्यादि यात्री सुविधाएं विकसित की जा रही है। अमृत स्टेशन पुनर्विकास योजनाओं से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, लोगों को आने जाने मे सुविधा होगी, स्वच्छ और आधुनिक रेलवे स्टेशनों से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्र का आर्थिक और सामाजिक विकास होगा।

हेड इंजरी व लकवाग्रस्त मरीज को न्यूरोफिजियोथेरेपी से लाभ मिला

- इस अवस्था में राजेश व्यास ने उनके फिजियोथेरेपी एवं रीहैबिलिटेशन सेंटर से संपर्क किया

कोटा, (निसं)। एक सड़क हादसे में 60 वर्षीय कोटा निवासी राजेश व्यास को सिर में गंभीर चोट लगी थी, जिससे उन्हें लकवा भी हो गया था। शरीर के एक भाग में कार्य करना भी बंद हो गया था। डॉ.शुभम दाधिच ने बताया कि इस अवस्था में राजेश व्यास ने उनके फिजियोथेरेपी एवं रीहैबिलिटेशन सेंटर से संपर्क किया।

डॉ.दाधिच ने मैनुअल थेरेपी/इलेक्ट्रोथैरेपी एवं न्यूरो फिजियोथेरेपी की विशेष तकनीकों और नवीनतम मशीनों व व्यायामों से उनका पूर्ण रूप से उपचार किया। अब मरीज राजेश जोशी अपने दैनिक कार्य करने में पूरी तरह सक्षम हो गए हैं। घूमने, सीढ़ियां चढ़ने में उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं है। कुन्हाड़ी स्थित महर्षि दधिची सेंटर के संचालक डॉ.शुभम दाधिच ने बताया कि ऑर्थो और न्यूरो से संबंधित बीमारियों में यदि सही समय पर फिजियोथेरेपी पद्धति से ईलाज कराया जाए तो मरीज को बहुत लाभ मिलता है।

ऐसे केस में केवल दवाईयों से पूर्ण इलाज संभव नहीं होता है। न्यूरोफिजियोथेरेपी वर्तमान में बहुत कारगर साबित हो रही है। मरीजों को फिजियोथैरेपिस्ट की सलाह अवश्य लेनी चाहिए ताकि उन्हें शीघ्र और सही लाभ प्राप्त हो सकें।

कार्य के चलते दुर्ग-अजमेर-दुर्ग एक्सप्रेस एक ट्रिप निरस्त

कोटा, (निसं)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मण्डल के नौरोजाबाद स्टेशन पर तीसरी लाइन कनेक्टिविटी हेतु प्री-नॉन/नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के चलते कोटा से गुजरने वाली गाड़ी संख्या 18213 दुर्ग-अजमेर एक्सप्रेस 24 नवम्बर को अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी।

इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 18214 अजमेर-दुर्ग एक्सप्रेस 25 नवम्बर को अपने प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस अथवा रेल मदद 139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी प्राप्त कर यात्रा करें।

दिवाली मिलन समारोह संपन्न

कोटा, (निसं)। जनजागृति मंच कोटा का दिवाली मिलन समारोह स्टेशन क्षेत्र स्थित एक निजी होटल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान नए और पुराने गीतों से लोगों ने शाम को सजाया और दिवाली की शुभकामनाएं दी। कलाकारों ने एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुति दी तो पूरा माहौल आनंदमयी हो गया।

साप्ताहिक बैठक में जिला कलेक्टर ने निर्देश दिए

- 'शहर की आबोहवा को शुद्ध रखने के मध्यनजर खुले में कचरा जलाने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए चालान बनाए जाएं'

कोटा, (निसं)। साप्ताहिक समीक्षा एवं अंतर विभागीय समन्वय संबंधी बैठक सोमवार को जिला कलेक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की गतिविधियों की समीक्षा कर बिजली, पानी, चिकित्सा सहित आमजन से जुड़े विषयों पर आवश्यक निर्देश दिए।

कलक्टर डॉ. गोस्वामी ने निर्देश दिए कि छात्रावासों में चिकित्सा एवं करियर गाइडेंस शिविर इसी माह लगाए जाएं। इसके लिए सीएमएचओ टीम गठित करने के निर्देश दिए और करियर गाईडेंस के लिए अधिकारियों को मार्गदर्शन देने के लिए कहा।

शहर की स्वच्छता एवं सौंदर्यकरण को लेकर निर्देश दिए कि डिफेसमेंट के विरूद्ध नियमित कार्यवाही की जाए और शहर को सुंदर रूप देने के निरंतर प्रयास किए जाएं। सफाई व्यवस्था सुदृढ़ बनाने के लिए नियमित निरीक्षण कर रिपोर्ट दी जाए। शहर की आबोहवा को शुद्ध रखने के मध्यनजर खुले में कचरा जलाने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए चालान बनाए जाएं।

डीएपी की स्थिति की चर्चा करते हुए निर्देश दिए कि किसानों को संतुलित मात्रा में डीएपी के उपयोग तथा अन्य विकल्पों को अपनाने की सलाह दी जाए। पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत सभी सरकारी विभागों के कार्यालयों में सोलर संयंत्र लगाए जाने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त कर आवश्यक कार्यवाही शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए गए।

संपर्क पोर्टल की समीक्षा करते हुए अधिक लम्बित प्रकरण वाले विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे प्रतिदिन पोर्टल समस्याओं का समाधान कर रिपोर्ट दें। साथ ही, परिवाद निस्तारण में संतुष्टि और राहत का प्रतिशत बढ़ाएं।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन मुकेश चौधरी, सीलिंग कृष्णा शुक्ला, शहर अनिल कुमार सिंघल, सीईओ जिला परिषद राजपाल सिंह, नगर निगम आयुक्त दक्षिण अनुराग भार्गव, अतिरिक्त आयुक्त जवाहर जैन, केडीए सचिव कुशल कोठारी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण (राज.)

क्रमांक:-ननिकोद/जोन-प्रथम/भ.नि.अनु./2024/12706 दिनांक: 18.11.24

उपविभाजन एवं स्वामित्व हस्तांतरण बाबत सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री तरुण कुमार जैन पुत्र श्री बाबू लाल जैन, श्रीमती निर्मला कुमारी जैन पत्नी श्री बाबू लाल जैन एवं श्री बाबू लाल जैन पुत्र स्व. श्री मोहन लाल जैन निवासी निर्मला निकेतन, संतोष बेकरी के पीछे, न्यू कालोनी गुमानपुरा कोटा (राज.) ने नगर निगम कोटा दक्षिण में आवेदन प्रस्तुत कर भूखंड संख्या 288 शोपिंग सेन्टर कोटा क्षेत्रफल 2400 वर्गफुट में से भूतल 1502 वर्गफुट एवं सम्पूर्ण प्रथम तल का स्वामित्व स्वयं के नाम हस्तांतरण करने का निवेदन किया है। भूखंड संख्या 288 शोपिंग सेन्टर कोटा क्षेत्रफल 2400 वर्गफुट का आवंटन कार्यालय मण्डी कमेटी चम्बल योजना कोटा द्वारा पत्र क्रमांक 2996 मण्डी कमेटी/61 दिनांक 01.08.1961 से श्री रघुवीर सिंह पुत्र श्री कन्हैया लाल को किया गया। श्री रघुवीर सिंह ने उक्त भूखंड जर्ये रजिस्टर्ड दस्तावेज दिनांक 09.04.1963 से श्री कैलाश नाथ द्विवेदी पुत्र श्री मथुरा लाल द्विवेदी को विक्रय कर दिया। श्री कैलाश नाथ द्विवेदी ने उक्त भूखंड जर्ये रजिस्टर्ड दस्तावेज दिनांक 29.04.1965 से श्री क्रान्ती कुमार पुत्र श्री अमीर चन्द जैन को विक्रय कर दिया। श्री क्रान्ती कुमार जैन ने उक्त भूखंड का कुल क्षेत्रफल 2400 वर्गफुट में से ग्राउण्ड फ्लोर 1502 वर्गफुट एवं सम्पूर्ण मकान की छत यादि फस्ट फ्लोर 2400 वर्गफुट जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 23.11.2005 से श्री तरुण कुमार जैन पुत्र श्री बाबू लाल जैन, श्रीमती निर्मला कुमारी जैन पत्नी श्री बाबू लाल जैन एवं श्री बाबू लाल जैन पुत्र स्व. श्री मोहन लाल जैन को विक्रय कर दिया। आवेदकों द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम कोटा दक्षिण में उक्त भूखंड के आवेदित भाग का उपविभाजन स्वीकृत कर स्वामित्व नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त भूखंड के आवेदित भाग का उपविभाजन स्वीकृत कर स्वामित्व नाम हस्तांतरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को भी उक्त मूल भूखंड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त, नगर निगम कोटा दक्षिण कार्यालय में प्रस्तुत करें। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी।

उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण

कार्यालय नगर पालिका केशवराय पाटन जिला बून्दी (राज.)

क्रमांक :- कार्तिक मेला/न.पा.के.पाटन/2024/2991-92 दिनांक :- 14/11/2024

निविदा सूचना

नगर पालिका के0पाटन द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्तिक मेला 2024 में सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन संध्या, राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाना है। जिसमें कार्यक्रम के इच्छुक व्यक्ति/संस्था/कम्पनी/संवेदक दिनांक 20.11.2024 को प्रातः 10.00 बजें से प्रातः 11.00 बजें तक निविदा प्रपत्र नगर पालिका से प्राप्त कर दिनांक 20.11.2024 को दोपहर 1 बजें तक सीलबन्द निविदा प्रस्तुत कर सकते है। प्राप्त निविदाऐं उसी दिन दोपहर 2.00 बजें उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी। प्राप्त निविदाओं को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार पालिका प्रशासन में निहित होगा। निविदा संबंधी समस्त विवरण वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा /डाउनलोड किया जा सकता है। धरोहर राशि एवं निविदा शुल्क डी.डी. के माध्यम से ही स्वीकृत किया जावेगा। टेण्डर फार्म लेखा शाखा से प्राप्त किये जा सकते है। आवश्यकता होने पर नेगोशेसन किया जा सकता है।

Sr.	UBN No.	Sr.	UBN No.
1	DLB2425SSOB11877	2	DLB2425SSOB11878
3	DLB2425SSOB11880	4	DLB2425SSOB11881
5	DLB2425SSOB11882		Tendor Cost - 14.40 Lac

राज.संवाद/सी/24/7882 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

फन फेस्ट का आयोजन हुआ

मोदी ग्रुप द्वारा फन फेस्ट का आयोजन किया गया।

कोटा, (निसं)। मोदी ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मौज मस्ती भरे "फनफेस्ट-2024" का आयोजन दादाबाड़ी कैंपस में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सुजीत शंकर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, चेयरमेन सुशील मोदी और राघव मोदी ग्रुप डायरेक्टर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के अतिथि सुजीत शंकर ने बताया कि विद्यार्थी जीवन में इस तरह के आयोजन जीवन पर्यंत याद रहते हैं व विद्यार्थी के व्यक्तित्व विकास के साथ नेतृत्व क्षमता को भी विकसित करते हैं। मोदी ग्रुप के चैयरमेन सुशील मोदी ने बताया कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा व खेलकूद के साथ-साथ फैन फेस्ट जैसे आयोजन भी बेहद जरूरी है जिनके माध्यम से विद्यार्थी मैनेजमेंट और टीम भावना से काम करना सीख सके। राघव मोदी के अनुसार फन फेस्ट में खाने पीने, गेम्स व कई तरह के झूलों के साथ-साथ विद्यार्थियों ने नृत्य, गायन, रैप वॉक आदि का भी आनंद लिया और विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया।

फन-फ़ेस्ट के समापन समारोह के अतिथि डॉ.अतुल चतुर्वेदी अतिरिक्त सयुक्त निदेशक शिक्षा विभाग रहे। अतुल चतुर्वेदी ने संपूर्ण आयोजन को बहुत सराहा व विभिन्न गतिविधियों के विजेताओं को सम्मानित किया। फन फेस्ट में विभिन्न प्रकार के व्यंजनों की 55 स्टॉल्स, गेम्स की 40 स्टॉल्स व अन्य कई प्रकार की कई स्टॉल्स व झूले रहे।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने राजस्थानी थीम, विभिन्न देशों के झंडों व देशभक्ति थीम पर रैंप वॉक किया। छोटे-छोटे बच्चों ने अपने नन्हे-नन्हें कदमों से रैंप वॉक कर सबका मन मोह लिया। अंत में लक्की ड्रॉ कूपन के विजेताओं को अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। संपूर्ण आयोजन में मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ.एन.के. जोशी, मोदी लॉ कॉलेज की प्राचार्या डॉ.क्षिप्रा गुप्ता, मोदी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्राचार्य डॉ.विकास सोनी, मोदी चेंम्प्स प्रिन्सिपल चेतना नामा, आईटीआई प्रिन्सिपल कमलेश रजोरा का सहयोग रहा।

कार्यक्रम की संयोजक मोदी पब्लिक स्कूल की प्राचार्या डॉ.नलिनी कुलश्रेष्ठ ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया व सभी विजेताओं को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के व्याख्याता भावना शर्मा व हिमालय गौतम द्वारा किया गया।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति नाहरगढ़ जिला-बारां

क्रमांक : 248-60 दिनांक :- 14.11.2024

आवंटन विज्ञप्ति

UBN No. - DAM2425GSRC01022

कृषि उपज मण्डी समिति नाहरगढ़ के मुख्य मण्डी प्रागंण में चिन्हित एवं रिक्त भुखण्डों का अचल सम्पत्ति आंवटन नीति 2005 तथा समय-समय पर जारी संशोधनों के अन्तर्गत द्वितीय एवं पश्चावर्ती चरण में 99 वर्षीय लीज पर आवटंन किये जाने हेतु मण्डी समिति नाहरगढ़ के स्थायी अनुज्ञापत्रधारी व्यापारी वर्ग व राज्य की अन्य मण्डी समिति के अनुज्ञापत्रधारी व्यापारी, मण्डी क्षेत्र की अनुज्ञापत्रधारी तेल मिल व अन्य कृषि जिन्स प्रसंस्करण इकाइयॉ मण्डी क्षेत्र के कृषक वर्ग, जैविक खेती करने वाले उत्पादक संगठन, निःशक्तजनों, विधवा कृषक महिला से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। आवंटन योग्य रिक्त भूखण्डों का नीति अनुरूप आरक्षण का विवरण निम्न प्रकार है :-

भूखण्डो का प्रयोजन	मुख्य मण्डी प्रागण	आंवटन योग्य रिक्त चिन्हित भूखण्डों की साईज व संख्या	अनुज्ञापत्रधारी स्थानीय मण्डी व्यापारियों हेतु भुखण्डों की संख्या						राज्य की अन्य मण्डी समिति के अनुज्ञापत्रधारी व्यापारी	अनुज्ञापत्रधारी तेल मिल व अन्य जिन्स प्रसंस्करण इकाइयां (मण्डी से बाहर)		कृषक वर्ग हेतु आरक्षित भूखण्ड संख्या						विधवा कृषक महिला		स्थानीय मण्डी समिति के सीधी खरीद के अनुज्ञापत्रधारी जैविक खेती करने वाले कृषक उत्पादक संगठन/कम्पनी	आवंटन दर
			स्थानीय मण्डी क्षेत्र के अनुज्ञापत्रधारी व्यापारी		अनुसूचित जाति		अनुसूचितजन जाति					सामान्य वर्ग		एस.सी वर्ग		एस.टी.वर्ग						
			सामान्य	निःशक्तजन	सामान्य	निःशक्तजन	सामान्य	निःशक्तजन		सामान्य	निःशक्तजन	सामान्य	निःशक्तजन	सामान्य	निःशक्तजन	सामान्य	निःशक्तजन	सामान्य	निःशक्तजन		
अधिसूचित कृषि जिंस	नाहरगढ़	मण्डी प्रांगण में रिक्त भूखण्ड-30 20'- 6'x100 - 22 20'-6'x65 - 8	13	1	3	-	3	-	2	1	-	4	-	1	-	1	-	-	-	1	अचल संपत्ति आवंटन नीति 2005 के संशोधित प्रावधानो के अनुरूप आवंटन दिनांक को प्रभावी व्यवसायिक DLC दर

1. आवेदन हेतु आवेदन पत्र 200/-रू. कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति नाहरगढ़ में नकद जमा कराकर दिनांक 14.11.2024 से कार्यालय समय में मण्डी समिति कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते हैं। आवेदन पत्र भरकर कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति नाहरगढ़ में दिनांक 16.12.2024 को सांय 5:00 बजे तक जमा करवाये जा सकते हैं।
2. आवंटन से सम्बन्धित शर्तें व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट http://agriculture.rajasthan.gov.in /Mandi व SPPP पोर्टल पर मण्डी समिति कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय समय में उपस्थित होकर देखी एवं प्राप्त की जा सकती है।

प्रशासक
कृषि उपज मण्डी समिति नाहरगढ़

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति नाहरगढ़

राज.संवाद/सी/24/7909

MARUTI SUZUKI

NEXA

BUILT FOR THE THRILL

RUN ON S-CNG RUN ON WHAT YOU LOVE

GREATER SAFETY
- Dual Solenoid System
- Leak-proof & Corrosion-resistant Design

UNMATCHED FUEL EFFICIENCY

30.6* km/kg	26.6* km/kg	26.3* km/kg	28.5* km/kg
Baleno CNG (MT)	Grand Vitara CNG (ZETA)	XL6 CNG (ZETA)	Fronx CNG (MT)

BETTER PERFORMANCE
- Dual VVT (Variable Valve Timing) Technology
- High Compression Ratio CNG Engine

ENHANCED COMFORT
- Modified Rear Suspension Design

VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP TO GET EXCITING OFFERS UP TO ₹ 57 100*

Scan to chat on WhatsApp

KOTA: NEXA AERODROME CIRCLE (BHATIA & COMPANY PH: 9414079018), **BARAN: NEXA BARAN ATRU ROAD (**BHATIA & COMPANY PH: 7300077090)**, JHALAWAR: NEXA JHALAWAR SOUTH** (BHATIA & COMPANY PH: 9116108619).

Contact us at **1800-200-[6392], 1800-102-[NEXA]** and visit **www.nexaexperience.com** to book online.

*Terms & conditions apply. Creative visualisation. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. For details on functioning of safety features, including airbags, kindly refers to owner's manual.
Car model and accessories shown may vary from the actual product and car colour may vary due to printing on paper. All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers may vary subject to the model and variant purchased. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point without any advance notice. Maruti Suzuki Subscribe available only in selected cities. Fuel efficiency as certified by test agency under rule 115 of CMVR 1989. All offers are applicable till 30th November'24 or till stocks last.